संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -95 सोमवार , 05 फरवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राजैया ने पार्टी छोड़कर बीआरएस को दिया झटका

हैदराबाद,04 फरवरी 2024 (ए)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को झटका देते हुए तेलंगाना के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी. राजैया ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पूर्व विधायक ने घोषणा की कि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि राजैया के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है। हाल के विधानसभा चुनावों में राज्य में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के बाद राजैया बीआरएस छोड़ने वाले पहले प्रमुख नेता हैं। केसीआर की पार्टी को यह झटका लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले लगा है।

आप-कांग्रेस उम्मीदवार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024 (ए)। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चंडीगढ़ नगर निगम (सीएमसी) के नतीजों पर रोक लगाने से इनकार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई होगी। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 5 फरवरी को मामले की सुनवाई करेगी।

पब्लिक सम्पत्ति के नुकसान पर बड़ा फैसला

जब तक नुकसान की वसूली न हो,तब तक दंगाई को जमानत न दी जाए

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024 (ए)। रिटायर्ड जस्टिस ऋषिराज अवस्थी की अध्यक्षता वाले भारत के 22 वें विधि आयोग ने शुक्रवार 2 फरवरी को मोदी सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी। रविवार को सामने आई इस रिपोर्ट में दंगाइयों के लिए कड़े जमानत प्रावधानों की सिफारिश की गई है।पैनल ने सुझाव दिया है कि सड़कें जाम करने और तोड़-फोड़ करने वालों पर सार्वजनिक-निजी संपत्तियों को हुए नुकसान के बाजार मूल्य के बराबर जुर्माना लगाया जाए। दंगाइयों को जुर्माने की वसूली के बाद ही जमानत दी जाए।

आयोग ने कहा- केरल की तरह अलग कानून बना सकते हैं

लॉ पैनल की रिपोर्ट में बताए गए जुर्माने का मतलब उस राशि से है, जो डैमेज हुई प्रॉपर्टी की मार्केट वैल्यू के बराबर होगी। अगर इस प्रॉपर्टी की वैल्यू निकाल पाना संभव न हो, तो इसका टोटल अमाउंट अदालत तय कर सकती है। इतना ही नहीं, पैनल ने कहा कि इस बदलाव को लागू करने के लिए सरकार एक अलग कानून ला सकती है।

पैनल ने बताया कि केरल में निजी संपत्ति को नुकसान की रोकथाम और मुआवजा भुगतान अधिनियम बनाया गया है। सरकार इसे भारतीय न्याय संहिता के लागू प्रावधानों में बदलाव करके या जोड़कर भी वसूल सकती है।

22वें विधि आयोग की 248 वीं रिपोर्ट में मणिपुर का भी जिक्र

विधि आयोग की 284 वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि अपराधियों को जमानत देने की शर्त के रूप में डैमेज पब्लिक प्रॉपर्टी की कीमत जमा करने के लिए मजबूर करना निश्चित तौर पर प्रॉपर्टी को नुकसान से बचाएगा। दरअसल, आयोग ने इस संशोधन के लिए बड़े पैमाने पर हुई झड़पों का हवाला दिया है।

इनमें 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों, जाट (2015) और पाटीदार (2016) आरक्षण आंदोलन, भीमा कोरेगांव विरोध (2018), सीएए विरोधी प्रदर्शन (2019),कृषि कानून आंदोलन (2020) से लेकर पैगंबर मोहम्मद (2022) पर की गई टिप्पणी के बाद हुई हिंसा और पिछले साल मणिपुर में चल रही जातीय हिंसा शामिल है।

आपराधिक मानहानि को बरकरार रखा जाए...

शुक्रवार को ही सौंपी एक अलग रिपोर्ट में आपराधिक मानहानि के अपराध को बरकरार रखने की सिफारिश की है। 285वीं रिपोर्ट में कहा है कि दुर्भावनापूर्ण झूठ से बचाने की जरूरत के साथ खुलेआम बोले जाने वाली बातों को कंट्रोल करना भी जरूरी है ताकि किसी व्यक्ति की छवि धूमिल न हो।

दरअसल, यह मामला अगस्त 2017 में कानून मंत्रालय ने लॉ पैनल को भेजा था। पैनल ने सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत संघ में सुप्रीम कोर्ट के 2016 के फैसले पर भरोसा किया, जिसमें कोर्ट ने आपराधिक मानहानि के अपराध की संवैधानिकता को बरकरार रखा था।

कोर्ट ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रतिष्ठा के अधिकार की रक्षा करने जैसे कुछ जरूरी प्रतिबंधों के अधीन है।

सीबीडीटी ने कहा...विधानसभा चुनावों में पहले की तुलना में अधिक नकदी हो रही जब्त

- छापेमारी में बेहिसाब मुद्रा और आभूषणों का पता चला : सीबीडीटी
- पांच साल पहले हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में जब्त नकदी में काफी वृद्धि हुई : सीबीडीटी

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024 (ए)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा है कि विधानसभा चुनावों के दौरान आयकर विभाग द्वारा पहले की तुलना में काफी अधिक नकदी जब्त की जा रही है। आयकर विभाग ऐसे मामलों के अलावा उन मामलों की भी जांच कर रहा है, जिनमें छापेमारी और अन्य कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में बेहिसाब मुद्रा और आभूषणों का पता चला है।नितिन गुप्ता ने कहा कि यह पाया गया है कि पांच साल पहले हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में जब्त नकदी में काफी वृद्धि हुई है। निर्वाचन आयोग ने पिछले साल बताया था कि पांच राज्यों मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में चुनावों के दौरान बरामदगी में वृद्धि हुई है।

कितने मूल्य की जब्त की गईं वस्तुएं

निर्वाचन आयोग के मुताबिक, इन राज्यों में 1,760 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं जब्त की गईं, जिनमें नकदी, आभूषण, मादक पदार्थ, शराब और अन्य सामान शामिल हैं। यह इन राज्यों में 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में हुई जब्ती (239.15 करोड़ रुपये) से सात गुना से अधिक है। इसी तरह, 2022 में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान जब्त नकदी 2017 की तुलनात्मक अवधि की तुलना में छह गुना अधिक थी।

भ्रष्टाचार के मामलों में फंसे एन.चंद्रबाबू नायडू

जगन मोहन रेड्डी को मिला पलटवार का मौका

अमरावती,04 फरवरी 2024 (ए)। पिछले साल सितंबर में भ्रष्टाचार के एक मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी और अपराध जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा उनके खिलाफ चार और मामले दर्ज किए जाने से राजनीतिक चर्चा बदल गई। राज्य में आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होने वाले हैं।पहली बार, इसने सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) को नायडू पर पलटवार करने का अवसर प्रदान किया, जो अक्सर अपने सार्वजनिक भाषणों में जगन को ए1 (अभियुक्त नंबर एक) कहकर ताना मारते रहते हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी अपने खिलाफ लंबित सीबीआई और ईडी मामलों के कारण टीडीपी के निशाने पर रहे हैं। कथित कौशल विकास निगम घोटाले में नायडू की गिरफ्तारी और उसके बाद उनके खिलाफ दर्ज मामले स्पष्ट रूप से वाईएसआरसीपी द्वारा यह संदेश देने का एक प्रयास था कि वह बोर्ड से ऊपर नहीं हैं।

परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों पर लगाम कसेगी केंद्र सरकार

सोमवार को संसद में पेश होगा नया विधेयक

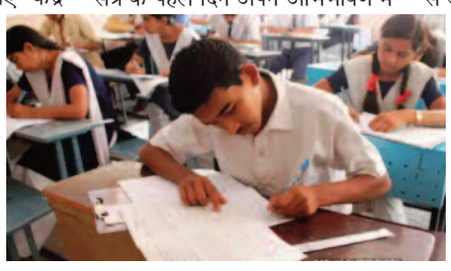

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024 (ए)। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले परीक्षा माफिया को जमींदोज करने के लिए केंद्र सरकार सोमवार को नया विधेयक संसद में पेश कर सकती है। जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को 10 साल तक की जेल की सजा और एक करोड़ तक जुर्माना हो सकता है। यह जेईई, नीट और सीयूईटी सहित सभी प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं पर प्रभावी होगा। इसके दायरे में सभी राज्य आएंगे। वैसे भी जेईई, नीट व सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होता है। इसके साथ ही राज्य भी अपनी भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी पर रोकथाम के लिए इस कानून को अपना सकेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 31 जनवरी को बजट सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण में परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए इस कानून को लाने जाने की जानकारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक परीक्षाओं से जुड़ी गड़बड़ियों को रोकने के लिए यह कानून कार्मिक मंत्रालय की ओर से लाया जा रहा है। इसमें मंत्रालय ने हाल ही में केंद्र और राज्य के स्तर पर आयोजित उन सभी परीक्षाओं के अनुभव को भी शामिल किया है, जिनका बेहतर तरीके से आयोजन हुआ है या फिर उनमें किसी स्तर पर गड़बड़ी देखने को मिली है। इसमें खासतौर पर केंद्र सरकार की ओर से चलाए गए भर्ती अभियान से जुड़े इनपुट को भी आधार बनाया गया है। जिसे तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से पारदर्शी व तय समय में पूरा किया गया था। सूत्रों की मानें तो परीक्षा में गड़बड़ियों के पीछे देश भर में सक्रिय परीक्षा माफिया है। जो इनमें शामिल लोगों से मिलकर पेपर लीक जैसी घटनाओं को अंजाम देते है। 8;20

निरीक्षक को मिली आजीवन कारावास की सजा

रायगढ़,04 फरवरी 2024 (ए)। लगभग 3 साल पहले नवंबर 2020 मे छः वर्षीय पीड़िता अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी,अभियुक्त ने पीड़िता को जाम देने का लालच देकर अपने घर बुलाया और दरवाजा अंदर से बंद कर उसके साथ बलात्कार की घृणित घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की सहेलियों ने घटना की जानकारी पीड़िता की चाची को दी। चाची अभियुक्त के घर गई जहाँ पीड़िता दरवाजे पर खड़ी थी, पूछने पर उसने पूरी घटना बताई, जिस पर तत्काल पीड़िता को प्राथमिक इलाज मुहइया करवा अभियुक्त के विरूद्ध 376 आईपीसी और 4,6 पॉस्को एक्ट की एफआईआर लिखी गई। सम्पूर्ण विवेचना पूरी कर अभियुक्त के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर माननीय न्यायालय मे चालान पेश हुआ, जहाँ विशेष लोक अभियोजक परवेज अख्तर द्वारा पैरवी की गई। जहाँ अभियुक्त को दोष सिद्ध करार दिया गया। इस अपराध का विवेचना आर्शीवाद राहटगांवकर ने किया है और इसी तरह रायगढ़ जिले के तमनार थाने में पदस्थ रहकर हर तरह के ऐसे कई मामले में त्वरित कार्रवाई कार्य करते देखने को मिलता रहा। और वहीं आपको बता दें,अब निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर की पदस्थापना तमनार थाने से तबादला कर धरमजयगढ थाने में की गई है। और अब यकीन है कि धरमजयगढ थाने में भी संवेदनशील थानेदार की असर देखने को मिलेगी।

बीजेपी में शामिल होने के लिए किया जा रहा मजबूर

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024 (ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि उन्हें बीजेपी में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह झुकने वाले नहीं हैं। उनका यह बयान आम आदमी पार्टी के विधायक खरीद-फरोख्त के आरोपों की जांच के बीच आया है।

उन्होंने कहा, वे हमारे खिलाफ कोई भी साजिश रच सकते हैं, मैं भी दृढ़ हूं। मैं झुकने वाला नहीं हूं। वे मुझसे बीजेपी में शामिल होने के लिए कह रहे हैं, लेकिन मैंने कहा कि मैं बीजेपी में कभी नहीं जाऊंगा, मैं आप सुप्रीमो ने दिल्ली के रोहिणी में एक स्कूल की आधारशिला रखने के बाद कहा, बीजेपी में कभी शामिल नहीं होऊंगा, बिल्कुल भी नहीं।

कार्यक्रम में अपने भाषण में, केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाला केंद्र राष्ट्रीय बजट का केवल 4 प्रतिशत स्कूलों और अस्पतालों पर खर्च करता है, जबकि दिल्ली सरकार हर साल अपने बजट का 40 प्रतिशत इन पर खर्च करती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जेल में बंद अपने आप सहयोगियों मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन का भी जिक्र किया।

'आज सभी एजेंसियां हमारे पीछे पड़ी हैं। मनीष सिसौदिया की गलती यह है कि वह अच्छे स्कूल बना रहे थे। सत्येन्द्र जैन की गलती यह है कि वह अच्छे अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनवा रहे थे। अगर मनीष सिसौदिया स्कूल के बुनियादी ढांचे की बेहतरी के लिए काम नहीं कर रहे होते, तो वह ऐसा नहीं कर पाते।'

फगवाड़ा में देह व्यापार का भंडाफोड़

- 9 विदेशी महिलाओं समेत 26 गिरफ्तार,45 हजार की नकदी समेत 9 पासपोर्ट और 26 मोबाइल बरामद

कपूरथला,04 फरवरी 2024 (ए)। पंजाब के कपूरथला जिले में फगवाड़ा पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस कुल 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 13 पुरुष (सभी भारतीय नागरिक) और 13 महिलाओं (नौ विदेशी नागरिक व चार भारतीय नागरिक) शामिल हैं। इनके पास से नौ पासपोर्ट, 29 मोबाइल फोन और कुल 45000 रुपये की नकदी मिली है। फगवाड़ा के थाना सतनामपुर में सभी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।कपूरथला की एसएसपी वत्सला गुप्ता ने बताया कि एसपी फगवाड़ा को गुप्त सूचना मिली थी कि जालंधर-फगवाड़ा हाईवे पर स्थित लॉ गेट के पास बड़े स्तर पर देह व्यापार का रैकेट चलाया जा रहा है। सूचना पुख्ता होने के बाद तुरंत फगवाड़ा पुलिस की टीमों ने दबिश दी। पंजाब पुलिस के 30 से ज्यादा जवानों ने एक छापेमारी की।कपूरथला की एसएसपी वत्सला गुप्ता ने बताया कि हाल ही में यह देखा गया है कि कई विदेशी नागरिक क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। ये अनैतिक तस्करी और अवैध गतिविधियों में शामिल हो रहे थे। वे सभी इस अवैध व्यवसाय से होने वाली कमाई पर जीवन यापन करते थे। उन्होंने बताया कि वीजा मानदंडों का उल्लंघन करने वाले विदेशियों के खिलाफ विदेशी अधिनियम की धारा-14 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में आगे की जांच जारी है। एसएसपी ने बताया कि देह व्यापार का यह रैकेट पीजी की आड़ मे चलाया जा रहा था। इसमें विदेशी लड़कियों की अहम भूमिका है। पीजी विदेशी नागरिकों को आसानी से मिल जाते थे क्योंकि वह अच्छे पैसे भरते हैं। कुछ तो भारत में बातौर छात्र ही आए थे। मगर यहां पर देह व्यापार शुरू कर दिया।

बिहार में कांग्रेस को सता रहा टूट का डर

फ्लोर टेस्ट से पहले हैदराबाद भेजे गए सभी कांग्रेस विधायक

पटना,04 फरवरी 2024 (ए)। बिहार में 12 फरवरी को नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सदन में अपना विश्वास मत हासिल करेगी। इस बीच कांग्रेस में खलबली मची हुई है। सूत्रों के अनुसार राज्य में फ्लोर टेस्ट को देखते हुए पार्टी को विधायकों के टूटने डर सता रहा है। इस बीच कांग्रेस के सभी विधायक हैदराबाद के लिए रवाना हो गए हैं।

इससे पहले कांग्रेस विधायकों की किसी संभावित टूट को रोकने के लिए पार्टी आलाकमान ने नई रणनीति तय की। बदली परिस्थिति में बिहार विधानसभा में नई एनडीए सरकार के विश्वासमत हासिल करने का कार्यक्रम तय होते ही कांग्रेस ने अपने विधायकों को दिल्ली बुला लिया। शनिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली पहुंचने वाले सभी विधायकों के साथ बैठक की। वहीं रविवार को हुए कांग्रेस आलाकमान की अहम बैठक के दौरान पार्टी को एकजुट रखने और किसी प्रकार की टूट से बचाने को लेकर बिहार के कांग्रेसी विधायकों को अब दिल्ली से हैदराबाद भेजा जा रहा है। अब कांग्रेस के विधायक बिहार विधानसभा के सत्र आरंभ होने के समय ही पटना पहुंचेंगे। वे फ्लोर टेस्ट में एनडीए सरकार के विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ वोट करेंगे।बिहार में कांग्रेस के 19 विधायक हैं। इनमें से 12 विधायक खांटी कांग्रेसी हैं। दलबदल में विधायकी कायम रखते हुए 13 का टूटना जरूरी होगा। सामने लोकसभा का चुनाव है। एनडीए गठबंधन लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका देने के साथ ही मंत्री पद का लोभ भी कांग्रेस विधायकों को दे सकता है। तेजस्वी यादव ने पहले ही कह दिया है कि खेला तो बिहार में अब शुरू होगा। दूसरी तरफ एनडीए घटक दल हम पार्टी के सुप्रीमो जीतन राम मांझी एक और मंत्री पद की मांग कर चुके हैं। वे आगे कुछ भी फैसला ले सकते हैं। इसलिए एनडीए की नजर महागठबंधन की पार्टियों पर है।

दिल्ली पुलिस ने विधायक की खरीद-फरोख्त के आरोपों पर आतिशी को नोटिस दिया

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024 (ए)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रविवार को दिल्ली की मंत्री आतिशी को नोटिस दिया है। जानकारी के अनुसार, मंत्री को उन आरोपों के संबंध में नोटिस दिया गया है कि भाजपा आप विधायकों के खरीद-फरोख्त का प्रयास कर रही है।सूत्रों के अनुसार, इससे पहले दिन में जब पुलिस टीम आतिशी के आवास पर पहुंची थी, तब उन्होंने अपने अधिकारी को नोटिस प्राप्त करने का निर्देश दिया था। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय को समन भेजा था।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिए गए क्राइम ब्रांच के नोटिस में लिखा है, आपके द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में प्राप्त शिकायत पर अपराध शाखा जांच कर रही है कि भाजपा ने आप के मौजूदा विधायकों को पार्टी छोड़ने और पार्टी में शामिल होने के लिए 25-25 करोड़ रुपये की पेशकश की है।

मनीष सिसोदिया 17 फरवरी तक जेल में ही रहेंगे

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कोर्ट ने एक बार फिर राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 17 फरवरी तक बढ़ा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने शनिवार दिल्ली शराब घोटाला मामले की सुनवाई करते हुए मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया और उनकी जेल 17 फरवरी तक बढ़ा दी है।

संपादकीय

कांग्रेस के कई नेता संशय में

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ईडी ने 29 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था। इससे पहले 17 जनवरी को भी उनसे पूछताछ हुई थी। गुड़गांव से सटे मानेसर में कथित जमीन घोटाले में उनसे पूछताछ हो रही है। कहा जा रहा है कि इस मामले में डेढ़ हजार करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। बताया जा रहा है कि चार सौ एकड़ जमीन के अधिग्रहण का भय दिखा कर किसानों से औने पौने दाम पर जमीन खरीदी गई थी। इसके अलावा एसोसिएटेड जर्नल्स को जमीन देने का मामला अलग है। सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी की जमीन खरीद का विवाद भी है। हालांकि अभी तक जमीन से जुड़े इतने विवादों के बावजूद हुड्डा आजाद हैं। कांग्रेस और हुड्डा का कहना है कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं इसलिए एजेंसी कुछ नहीं कर पा रही है तो दूसरी ओर जानकारों का यह भी कहना है कि भाजपा को उनसे ज्यादा खतरा नहीं दिख रहा है या भविष्य मे उनके इस्तेमाल की उम्मीद है इसलिए उन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। जो हो लोकसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव तक उनकी गर्दन पर तलवार लटकी रहेगी।

कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की चिंता भी बढ़ी है क्योंकि सत्ता से हटते ही महादेव ऐप घोटाले में ईडी ने उनका नाम शामिल कर दिया है। इस मामले में उनके ऊपर 508 करोड़ रुपए लेने का आरोप लगा था। हालांकि आरोप लगाने वाला अपनी बात से मुकर गया था लेकिन जब बघेल की सरकार हट गई तो इस मामले में गिरफ्तार आरोपी फिर पलट गया। सो, उनकी मुश्किल भी बढ़ सकती है। राजस्थान में मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत के परिवार के सदस्यों से लेकर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ ईडी का मामला चल रहा है। कर्नाटक में उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के मामलों में अदालत का फैसला भी आना है और एजेंसी की कार्रवाई भी संभावित है। वैसे ईडी का केस तो तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ भी है लेकिन अभी तुरंत कार्रवाई की संभावना नहीं दिख रही है।

खाली हाथ बजट

स्वास्थ्य,शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार की जरूरत

2024 का अंतरिम बजट प्रशासनिक रवायत है क्योंकि पूर्ण बजट तो जुलाई में आएगा,जिस पर नई सरकार का रिपोर्ट कार्ड स्पष्ट नजर आएगा। व्यवसायों को फलने-फूलने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने,पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्ग के उत्थान की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विकास न्यायसंगत, टिकाऊ और हरित हो, विकास की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सरकार को बड़ी-बड़ी योजनाओं पर ध्यान देने की बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि ये गरीबों के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं,लेकिन यह इस तथ्य से दूर नहीं है कि स्वास्थ्य,शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा बजट बेहद अपर्याप्त हैं,भले ही ये सेवाएं खराब बुनियादी ढांचे,भारी रिक्तियों और अपर्याप्त संसाधनों से ग्रस्त हैं।

-प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार
हरियाणा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अपना छठा बजट पेश किया,जहां उन्होंने पिछले 10 वर्षों में सरकार की व्यापक उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित किया। चूंकि यह चुनावी वर्ष है इसलिए बजट पूर्ण नहीं था,बल्कि लेखानुदान था और इसमें राजस्व या व्यय खाते पर प्रमुख घोषणाएं शामिल नहीं थीं। एक अंतरिम बजट, नियमित वार्षिक बजट से अलग, चुनावी वर्ष में प्रस्तुत किया जाता है (2024 लोकसभा के लिए चुनावी वर्ष है)। केंद्रीय बजट के समान, इस पर लोकसभा में बहस होती है और यह पूरे वर्ष के लिए वैध रहता है (भले ही यह लगभग 2-4 महीनों के लिए एक संक्रमणकालीन व्यवस्था के रूप में काम करने के लिए होता है)। आम तौर पर वोट-ऑन-अकाउंट के रूप में जाना जाता है, यह नई सरकार के कार्यभार संभालने तक विशिष्ट व्यय को अधिकृत करता है। अनुच्छेद 116 तत्काल व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत की संचित निधि से धन के अग्रिम आवंटन की अनुमति देता है। सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम बजट में इनकम टैक्स स्लैब में किसी तरह का बदलाव नहीं किया। ना ही ड़ायरेक्ट व इनड़ायरेक्ट टैक्स में कोई बदलाव किया जा रहा है। जैसा कि विशेषज्ञ कहते हैंग चुनावी वर्ष के बजट से ज्यादा उम्मीदें नहीं की जानी चाहिए।

हालांकि सरकार चाहती तो लोकलुभावन कटौतियों व लाभों की सूची का झुनझुना थमा सकती थी। राजकोषीय घाटा 5.1 फीसद रहने के अनुमान के बावजूद मुफ्त वितरणग टीकाकरण किसानों को लाभग आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाने व मुफ्त बिजली देने की घोषणाओं का खामियाजा सरकार को भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। महिलाओं के प्रति झुकाव रखने वाला यह बजट उनकी सेहत पर भी केंद्रित है। हालांकि किसानों के लिए एमएसपी की घोषणा न करग सरकार अपनी गारंटी पूरी करने से चूकती नजर आ रही है। एक तरफ वह दलील देती है कि पचीस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है तो दूसरी तरफ अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने पर अपनी पीठ भी थपथाती है। कुल मिलाकर यह प्रशासनिक रवायत है। पिछले दस वर्षों मेंग प्रत्यक्ष कर संग्रह तीन गुना से अधिक हो गया है और रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 2.4 गुना तक बढ़ गई है। पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में दो करोड़ और घर बनाए जाएंगे। यद्यपि यह अंतरिम केंद्रीय बजट बहुत विस्तार वाला नहीं है। इसलिए यह समय ही बताएगा कि विकास की महत्वाकांक्षाओं को अधिक मजबूत करने के लिए एवं बजट की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी को कितना बढ़ावा देगा॥ उच्च और स्कूली शिक्षा

दोनों को बजट में बढ़ा हुआ आवंटन मिला और पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) जैसी योजनाओं को पिछले बजट की तुलना में लगभग 50त्न अधिक आवंटन मिला। स्कूल शिक्षा विभाग के लिए कुल आवंटन 73,008.10 करोड़ है जो पिछले आवंटन से अधिक है। आलोचकों का तर्क है कि एक बड़ा हिस्सा पीएम-एसएचआरआई परियोजना को वित्तपोषित करने में चला गया है जो देश में मौजूदा सरकारी स्कूलों को अपग्रेड करना है और सरकारी स्कूलों को बढ़ाने के लिए धन आवंटित नहीं करना है। बजट में एक प्रमुख घोषणा पीएम-जन आरोग्य योजना के तहत आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए स्वास्थ्य कवर विस्तार से संबंधित है। स्वास्थ्य क्षेत्र का आवंटन 89,155 करोड़ से बढ़ाकर 90,658.63 करोड़ कर दिया गया है. इस क्षेत्र के विशेषज्ञ सरकार को गैर-संचारी रोगों पर ध्यान केंद्रित करने, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए कर छूट बढ़ाने और सब्सिडी वाले उपचारों की गुणवत्ता में सुधार और उन्नयन करने का तर्क देते हैं। अधिकांश सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं और विभागों के लिए बजट आवंटन कमोबेश पिछले वर्ष के समान ही है। स्कूल और उच्च शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभागों के लिए आवंटन पिछले साल के बीई की तुलना में कुछ मामूली वृद्धि दर्शाता है, लगभग 6-8 प्रतिशत। हालांकि बजट में प्रमुख योजनाओं की कोई नई घोषणा नहीं की गई, वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को बहु आयामी गरीबी (एमपीआई) से बाहर लाया गया है।विशेषज्ञों का तर्क है कि एमपीआई हमें आय गरीबी के रुझानों के बारे में नहीं बताता है, जो आर्थिक कल्याण का एक उपयोगी संकेतक है। आगे का दावा कि लोगों की औसत वास्तविक आय में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, हमें इस बारे में ज्यादा नहीं बताता कि गरीबों का जीवन कैसे बदल गया क्योंकि जो मायने रखता है वह राष्ट्रीय आय का वितरण है। विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि औसत ग्रामीण श्रमिक आय में मामूली वृद्धि हुई है जो निजी अंतिम उपभोग व्यय में खराब वृद्धि में भी परिलक्षित होती है। कुल रोजगार में कृषि की हिस्सेदारी में वृद्धि से चिह्नित, रोजगार के संरचनात्मक बदलाव में एक उल्लेखनीय उलटफेर हुआ है। इससे कृषि के अलावा रोजगार के अवसरों की कमी का पता चलता है। पिछले 4-5 वर्षों में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर में हालिया वृद्धि संकट से प्रेरित प्रतीत होती है, क्योंकि बड़ी संख्या में महिलाएं लाभकारी रोजगार के बजाय अवैतनिक पारिवारिक श्रम में लगी हुई हैं। व्यापक आर्थिक स्तर पर, बजट का दावा है कि 2023-24 में, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने में कामयाब रही है कि उधार के अलावा उसकी प्राप्तियाँ बजट के लगभग बराबर हैं। इसने कर राजस्व के संबंध में बजटीय अपेक्षाओं को पूरा किया है और साथ ही बजट के सापेक्ष अपनी गैर-कर राजस्व प्राप्तियों में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद की है।व्यवसायों को फलने-फूलने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने, पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्ग के उत्थान की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विकास न्यायसंगत, टिकाऊ और हरित हो, विकास की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सरकार को बड़ी-बड़ी योजनाओं पर ध्यान देने की बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि ये गरीबों के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, लेकिन यह इस तथ्य से दूर नहीं है कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा बजट बेहद अपर्याप्त हैं, भले ही ये सेवाएं खराब बुनियादी ढांचे, भारी रिक्तियों और अपर्याप्त संसाधनों से ग्रस्त हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पढ़ना माने क्या,बच्चों एवं शिक्षकों के साथ संवाद

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा, उत्तरप्रदेश

सितंबर 2019 के पहले सप्ताह का आखिरी दिन। मुझे संकुल प्रभारी जी के पास कुछ प्रपत्र जमा करते हुए विद्यालय निकलना था तो प्रपत्र जमा कर और वहाँ उपस्थित अन्य प्रधानाध्यापकों से सामान्य विभागीय बातें कर कुछ नई सूचनाएँ नोट कर अपने विद्यालय की राह पकड़ी। डामर की सड़क बारिश से धुलकर चमचमा रही थी। मुख्य सड़क छोड़ मैंने विद्यालय के गाँव वाला लिंकरोड पकड़ा। रोड में कहीं-कहीं गड्ढे थे, जिनमें पानी भरा था और बाईक का पहिया पड़ने से पानी के छींटे छिटक कर जूतों एवं पैंट की मोहरी पर पड़े जा रहे थे। हुआ यह था कि पिछले दो दिन से तेज धूप और उमस से उस दिन भोर में हुई जोरदार बारिश से मन को चैन मिला था। परिवेश को वातावरण ने शीतलता की चादर ओढ़ा दी थी। वृक्षों की पत्तियाँ धुल जाने से अरुण प्रभात में नवल आभायुक्त हो चमक रही थीं। खेतों में मिट्टी के ढेले बारिश में पिघल गये थे हालाँकि खेतों में बिलकुल भी पानी नहीं था। पक्षी प्रमुदित हो दाना-पानी की तलाश में अम्बर में उड़ान भर रहे थे। मैं विद्यालय पहुँचा ही था। मेन गेट के बाहर सामने का तालाब अभी प्यासा था मगर भुइयाँ मातारानी के स्थान का वृद्ध पीपल जीवन पा खुश हो तालियाँ बजा रहा था।

मैंने विद्यालय में प्रवेश कर बाईक खड़ी की और रैम्प से चढ़ते हुए हॉल की ओर पहला कदम बढ़ाया ही था कि कानों से एक वाक्य टकराया, पहिले किताब को अच्छे से देखना होता है। अच्छा छोटी तुम बताओ या पन्ना मा का-का बनो है? स्वर की दिशा में गर्दन घूम गई। देखता हूँ कि, दो छोटे छह वर्षीय बच्चे जिनका अभी नामांकन नहीं हुआ पर विद्यालय लगातार आ रहे हैं, पतलू (प्रियांशू) और छोटी (रोचिका) रैम्प से सटी सीढ़ियों पर बैठे हिंदी की पाठ्य-पुस्तक कलरव के कवर पेज पर संवाद कर रहे थे। मैं ठहर कर उनका वार्तालाप सुनने लगा।

रोचिका ने उत्तर दिया, यहिमा गुब्बारे बने हैं और पेड़ और बच्चे और चिरैया उड़ती हैं। अच्छा पतलू अब तुम बताओ, और का-का छपो है? कुछ पल की चुप्पी के बाद कवर को देखते हुए पतलू बोला, यहिमा क ख ग लिखो है और 123 गिनती भी, और एबीसीडी भी, और सुरिज आसमान से निकर रहा है और सगले उजियार होई रहा है। वे दोनों बाँदा जनपद की स्थानीय भाषा-बोली बुंदेली-अवधी में मिली-जुली बातें कर रहे थे।

तभी मुझे ध्यान आया कि कल ही मैंने सभी शिक्षकों और कक्षा 5 के बच्चों के साथ पढना माने क्या विषय पर कार्यशाला की थी जिसमें मैंने पढ़ने के संदर्भ पर विस्तार से बातचीत करते हुए किताबों के आवरण और अंदर के पृष्ठों पर बने चित्रों पर बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करने को बोला था, पठन के साथ ही वाचन पर भी कुछ बातें हुई थीं। दरअसल मेरा अनुभव यह रहा है कि शिक्षक बच्चों के वाचन को ही पठन समझ लेते हैं जबकि दोनों में पर्याप्त भिन्नता है। मैं बोला कि पढ़ने का सम्बन्ध शब्द के अर्थ प्रकटीकरण से है। यदि कोई शब्द या वाक्य पढ़कर पाठक/बच्चे अर्थबोध ग्रहण नहीं कर पाते तो यह पढ़ना नहीं कहा जा सकता, हालाँकि वाचन कह सकते हैं। वह मौन वाचन हो सकता है या सस्वर वाचन पर पढ़ना तो बिल्कुल भी नहीं। अगर कोई बच्चा कमल या बरगद शब्द पढ़ रहा है तो शब्द पढ़ने के बाद उसके मन-मस्तिष्क में कमल पुष्प का चित्र उपस्थित होना चाहिए,अपनी सुगंध, परागकण और लाल-हरी पंखुड़ियों के साथ। उसके दिमाग में कमल उगे तालाब का भी चित्र बने तो और भी अच्छा। पर यह तभी सम्भव है जब बच्चे का पूर्व सम्बंध कमल से बन चुका हो अन्यथा उसके लिए कमल शब्द अर्थहीन होकर केवल तीन वर्णों के समुच्चय का उच्चारण मात्र रह जायेगा। या यह भी हो सकता है किसी कमल नाम के लड़का/लड़की को वह जानता हो तो कमल पढ़ते ही उनकी छवि उसके आँखों के सामने हाजिर हो जायेगी। या यह भी हो सकता है कि कमल को वह तीन हिस्सों में तोड़कर पढ़ रहा हो कि क से कमल, म से मछली और ल से लट्टू। तब तो अर्थ से दूरी बहुत बढ़ गयी। ऐसे ही अगर बरगद शब्द को लें तो बरगद शब्द पढ़ते ही बच्चे के मस्तिष्क में बरगद वृक्ष का चित्र उपस्थित होना चाहिए। किंतु वर्ण तोड़कर पढ़ने से अर्थ प्रकट नहीं होता है। कई बार बच्चे मदारी, करतब,कशरत, गगरी, चकरी, नलकूप, तहसील, पंचायत शब्दों का उच्चारण तो कर रहे होते हैं लेकिन उसके अर्थ से परिचित नहीं होते। शिक्षक को चाहिए कि बच्चों के साथ संबंधित विषय पर खूब बातचीत करें। ऐसे ही वाक्यों के पठन पर भी होता है। बच्चे वाक्यों का उच्चारण तो कर लेते हैं पर वाक्य का अर्थबोध न होने से अन्यों वाक्यों से उसका सम्बन्ध स्थापित नहीं कर पाते। फलतः अधिगम प्रभावित होता है। किसी पाठ का शीर्षक है गाँव का मेला। यदि बच्चे किसी गाँव के मेले में कभी गये, घूमे-फिरे हैं तो शीर्षक पढ़ते ही पूरे मेला का दृश्य उनके मन में उपस्थित हो जायेगा, वे अपने शब्दों में उसका वर्णन भी कर सकते हैं। तब पाठ उनके लिए अर्थगम्य बन जायेगा। अनुमान के आधार पर वे कठिन या पहली बार आये शब्दों का अर्थ स्वमेव प्रकट कर लेंगे। पर जो नहीं गये वे पढ़कर भी मेले से रागात्मक सम्बंध न बना पायेंगे, अर्थबोध न हो पाने के संकट से गुजरेंगे। तो जरूरी बात कि शिक्षक के पहले पाठ में बने मेला के चित्र पर सभी बच्चों के अनुभव सुनते हुए चर्चा करें। दुर्भाग्य से शिक्षक के रूप में हम कभी किसी पुस्तक के कवर पेज या अन्य चित्रों पर चर्चा नहीं करते, जबकि यह चर्चा अवश्य होनी चाहिए। बच्चों के साथ इस मुद्दे पर बातचीत होनी चाहिए कि कवर पेज चित्रों में इतनी विविधता क्यों है। इन चित्रों के साथ बच्चों के साथ खेलिए, बच्चों से चित्रों पर विचार लिखवाया जाये। अगर किसी पाठ में रोटी, डाल पर लगे दो आम या ठेले पर बिक रहे जामुन के चित्र बने हैं तो एक-एक चित्र पर संवाद की बहुत जगह और संभावना बनती। रोटी शब्द उच्चारण करने पर बच्चों के दिमाग में अपनी-अपनी रोटियों के चित्र बने जाएँगे जिससे उनका पूर्व सम्बंध है। कोई गेहूँ की रोटी तो कोई ज्वार-मक्के की तो कोई गेहूँ-चना-जौ या चावल की रोटी के चित्र की कल्पना करेगा। कोई हथपई मोटी रोटी तो कोई बच्चा बेली हुई रोटी को सोचेगा। कोई तंदूर की सिंकी रोटी तो कोई तवे की पतली रोटी का चित्र मन में बनाएगा। इसके साथ ही गेहूं , खेत, खलिहान, फसल, मड़ाई, आटा चक्की आदि सब आएगा पर जिसका जितना सम्बंध बना होगा। जिसके घर में पैकेट में आटा आता है वह गेहूँ की फसल और गेहूँ उगाने की प्रक्रिया के बारे में कभी जान नहीं सकता क्योंकि गेहूँ से कभी मिला नहीं। ऐसे आम या जामुन कहने पर उनका स्वाद, रंग, कच्चा-पक्का, मौसम, बगीचा, पेड़ सब दृश्य बनेगा। तब आप पाएँगे कि पाठ पढ़ाना कितना सुगम हो जाता है। मैं अपने ख्यालों के बहाव में बहा जा रहा था कि तभी दोनों बच्चों ने नमस्ते बोला और हँस पड़े। सहसा मेरी तंद्रा भंग हुई। मैंने पूछा कि यह तुम क्या खेल रहे थे, कहाँ से सीखा। दोनों बच्चे चहकते हुए बोल पड़े, कल जब तुम 5 कै कक्षा में पढ़ा रहे थे न, तबहीं हम दोनों जने खिड़की से झाँक रहे थे। तो दोनों जने आज वहै पाठ वाला खेल खेल रहे थे। बहुत मजा आवत रहा सर जी। मैं उन्हें शाबाशी दे प्रधानाध्यापक कक्ष की ओर बढ़ा, मेज पर बैग रखा, हेलमेट उतार कर अलमारी में रखते दीवार घड़ी पर नज़र गई तो पता चला कि पंद्रह मिनट विलम्ब से हूँ। प्रार्थना पश्चात कक्षाएँ लग चुकी थीं तो सहसा मन में आया सभी कक्षाओं का एक चक्कर लगा लूँ कि कल हुई बातचीत को शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कितनी गम्भीरता से लिया है और आज क्या कर रहे हैं। शनिवार होने के कारण बस्तारहित विविध गतिविधियों वाला दिन था। सबसे पहले कक्षा एक और दो में गया। शिक्षिका विनीता वर्मा और शिक्षामित्र ज्योति उपाध्याय अपनी-अपनी कक्षाओं में बच्चों के साथ कलरव के कवर पर बातें कर रही थीं। कक्षा तीन में महेंद्र कुमार गुप्ता हिंदी और गणित की पुस्तकों पर कवर में दिख रहे वस्तुओं आदि की सूची बनवा रहे थे। कक्षा चार में राकेश द्विवेदी गणित की पुस्तक पर छोटे समूहों में चर्चा करवा रहे थे। कक्षा पांच में नीलम कुशवाहा हिंदी पुस्तक वाटिका के आवरण पृष्ठ पर निबंध लिखवा रही थीं। मुझे यह सब देख-सुन कर बहुत खुशी हुई कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ बच्चों के साथ आत्मीयता और मधुरता के साथ काम कर रहे थे। मैं वापस अपने कक्ष में बैठकर विभागीय सूचनाएँ तैयार करने के काम में लग गया। रसोई से सब्जी छौंकने पर मसालों की खुशबू वातावरण में तैर गई। मेरे मानस पटल पर जीरा,लहसुन, धनिया, हल्दी,लाल सूखी मिर्च दालचीनी, जावित्री, हींग, कालीमिर्च, मेथी, तेजपत्ता उभरने लगे थे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नगर निगम के लिए भी नैतिकता तार-तार...

चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में भाजपा ने जो किया वह राजनीति और संविधान दोनों की मर्यादा को तार-तार करने वाला था। चंडीगढ़ में भाजपा का सात साल से मेयर था। तभी लाख टके का सवाल है कि आठवें साल भी भाजपा का ही मेयर बने, ऐसा क्यों जरूरी था? क्या 36 निर्वाचित और नौ मनोनीत सदस्यों वाले नगर निगम में भाजपा का मेयर नहीं बनता तो कोई आफत आ रही थी? सोचें, चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश है और केंद्र की ओर से नियुक्त प्रशासक के हाथ में वहां का प्रशासन है। सो सोचे, स्पष्ट रूप से केंद्र का शासन जिस प्रदेश में हो वहां छोटे से नगर निगम पर भी कब्जा करना किस मानसिकता का प्रतीक माना जाए? दिल्ली नगर निगम के चुनाव में हार जाने के बाद भी भाजपा ने कितनी तरह के उपाय किए थे कि आम आदमी पार्टी का मेयर नहीं बन पाए वह सबने देखा था। भाजपा ने एल्डरमैन नियुक्त कर दिए, उनको वोट देने का अधिकार दे दिया और प्रयास किया कि उसका मेयर बन जाए। कई बार मेयर का चुनाव इस वजह से टला और फिर अदालत के दखल देने के बाद एल्डरमैन चुनाव से बाहर रखे गए और आप का मेयर चुना गया। राजधानी दिल्ली में नगर निगम पर 10 साल भाजपा का नियंत्रण था। तभी वह हार के बाद भी निगम छोड़ना नहीं चाहती थी। जबकि दिल्ली में भी उप राज्यपाल के जरिए केंद्र का ही शासन चलता है।

फिर भी यह बात समझ में आती है कि दिल्ली नगर निगम बहुत बड़ा है। राजधानी है और इसका बजट भी बड़ा है। लेकिन चंडीगढ़ तो इतना छोटा शहर है, जहां दो राज्यों की राजधानी है और केंद्र का शासन है। फिर वहां के नगर निगम के लिए इतनी धांधली की क्या जरुरत थी? 36 सदस्यों के नगर निगम में भाजपा के 14, आम आदमी पार्टी के 13,कांग्रेस के सात और अकाली दल का एक सदस्य हैं। एक पदेन सदस्य चंडीगढ़ का सांसद होता है,जो कि भाजपा की किरण खेर हैं। सो, किरण खेर सहित भाजपा के 15 पार्षद थे, जबकि दूसरी ओर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के 20 पार्षद थे। पिछले चुनाव के बाद से दो बार मेयर के चुनाव हुए थे, जब कांग्रेस ने उसमें हिस्सा नहीं लिया था तो भाजपा जीत गई थी। लेकिन इस बार आप और कांग्रेस ने तालमेल कर लिया तो उनकी जीत पक्की होनी थी।

लेकिन किसी हाल में अपना कब्जा बनाए रखने की सोच में भाजपा ने पहले तो अचानक चुनाव टलवा दिया। प्रशासन की ओर से चुनाव के दिन यानी 18 जनवरी को अचानक कह दिया गया कि चुनाव छह फरवरी को होगा। लेकिन कांग्रेस और आप हाई कोर्ट गए, जहां अदालत ने हर हाल में 30 जनवरी तक चुनाव कराने को कहा। जब चुनाव टालने और पार्षदों को तोड़ने का दांव नहीं चला तो भाजपा के नेता रहे अनिल मसीह को 30 जनवरी के चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर दिया गया। उनके सामने 36 सदस्यों ने वोट डाले और वे सबके वोट निकाल कर गिनने लगेऔर भाजपा को 16 और आप के उम्मीदवार को 20 वोट मिले। लेकिन उन्होंने आप और कांग्रेस के आठ वोट अवैध कर दिए। फिर चार वोट से भाजपा की जीत घोषित कर दी। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे बैलेट पेपर पर पेन चलाते दिख रहे हैं।

एक छोटे से नगर निगम के चुनाव को जीतने के लिए भाजपा ने संवैधानिक और राजनीतिक दोनों मर्यादा ताक पर रख दी। सबको दिख रहा है कि विपक्ष के वोट गलत तरीके से अवैध करके भाजपा जीती है। फिर भी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा को जीत की बधाई दी। जिस पार्टी के पास देश की सत्ता है। जिस पार्टी की 17 राज्यों में अपनी या सहयोगी पार्टी के जरिए सरकार है। जो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करती है। वह पार्टी 36 सदस्यों के छोटे से नगर निगम का चुनाव जीतने के क्या इतनी बड़ी धांधली कर सकती है।

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बोलूं भोले-भोले

मैं जब बोलूं भोले-भोले,
भोले हंसते हौले-हौले,
नयन नीचे चरणों में करके,
जोर से बोलूं भोले-भोले।
मैं जब बोलूं ...
एक कदम जब भोले चलते,
मोहन दूसरा पग धरते है,
दोनों की इस जुगलबंदी को,
श्रीराम निहारा करते हैं।
मैं जब बोलूं ....
भोले धर अपनी जिह्वा पर,
सुर का साज बजाता जा,
एकमेव तो भोले ही हैं,
हर धुन पर तू गाता जा।
मैं जब बोलूं ....
अगर-मगर के मोहपाश में,
बंधकर जीवन खो जाता है,
भोले की थोड़ी सीख जो ले लो,
तो जीवन तर जाता है।
मैं जब बोलूं ...
आओ भोले शब्दों में हम,
प्रेम की चकरी से रस घोलें,
अमर तत्व तो भोले ही हैं,
जोर से बोलें भोले-भोले।
मैं जब बोलूं ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर, मध्यप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

परीक्षा

परीक्षा का देखो मौसम आया!
कई बच्चो का दिमाग चकराया!!
जीवन का है यह एक पड़ाव!
परीक्षा से कभी मत घबराव!!
परीक्षा को बनाओ अपना मीत!
क्योंकि डर के आगे है जीत!!
अपनी मेहनत पर भरोसा रख!
मन में कोई तनाव मत रख!!
पढ़ाई मे ध्यान केंद्रित कर!
परीक्षा से कभी मत डर!!
नही होगा तेरा कभी अहित!
क्योंकि डर के आगे है जीत!!
परीक्षा का भूत भाग जाएगा!
तनाव थोड़ा कम हो जाएगा!!
मन और दिमाग को शांत रख!
अपनी तैयारी पूर्ण रख !!
विफलता से कभी डर मत!
क्योंकि डर के आगे है जीत!!

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

इंसान क्यों,मुखौटा लगाने लगा है?

इंसान अपनी फितरत क्यों बदलने लगा है
एक होकर दो-दो, भूमिका निभाने लगा है
जो वह दिखता है, सच में वह वही नही है
वह तो कोई और है,जो सच छुपाने लगा है।
लब्जों में मीठास भी है दिल जितने लगा है
अपनेपन का भी ये अहसास कराने लगा है
दिलेरी ऐसा है कि कोई भी धोखा खा जाए
कोई चुक न हो, ऐसा रिश्ता जताने लगा है।
दिलों से अब अहमियत, खत्म होने लगा है
स्वार्थ और मतलब बेखौप, पनपने लगा है
संवेदना मानवीयता अब, महत्वहिन हुआ
अमानवीयता का अब, महत्व बढ़ने लगा है
इंसान चहरे पे क्यों, मुखौटा लगाने लगा है
मन के दर्पण को क्यों, अब छिपाने लगा है
इंसान कहें तो कहें, किसको,अपना,पराया
पराया तो पराया है अपना ही छलने लगा है।

अशोक पटेल आशु
मेघा,धमतरी छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कुश्ती चित्त होने के कगार पर

पिछले एक साल से भारतीय कुश्ती चित होने की कगार पर खड़ी है। फेडरेशन अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण सिंह पर लगे यौन शौषण के आरोपों और तमाम उठा पटक के बाद भी हालात सुधारे नहीं सुधर पा रहे। हालांकि फेडरेशन के चुनाव हो गए हैं लेकिन अब चुने गए पदाधिकारियों और खेल मंत्रालय के बीच तनातनी चल रही है। अनुराग ठाकुर और संजय सिंह नाम के दो पहलवान ताल ठोक कर एक दूसरे को चुनौती देने उतर चुके हैं। अर्थात कुश्ती पर धोबी पछाड़ का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया लेकिन विवाद है की बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते कुश्ती में असमंजस का माहौल बना हुआ है। इसमें दो राय नहीं कि महिला पहलवानों के आक्रोश और धरना प्रदर्शन के बाद से बालिकाओं के अखाड़े प्रभावित हुए हैं तो दूसरी तरफ प्रमुख अखाड़ों में भी पहले सा उत्साह देखने को नहीं मिलता।

दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, यूपी आदि प्रदेशों के छोटे बड़े अखाड़े यथावत चल रहे हैं लेकिन पहलवानों और गुरु खलीफाओं में एक अलग प्रकार का डर समा गया है। कुछ अखाड़ों के कोच और पहलवान कह रहे हैं कि भले ही कुश्ती फेडरेशन के बड़े लड़ते भिड़ते रहें लेकिन कुश्ती पर कोई असर नहीं पड़नेवाला। दूसरी तरफ एक वर्ग है जिसे महिला कुश्ती का भविष्य खतरे में नजर आता है। कारण, देश की चैंपियन महिला पहलवानों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर विलाप और विरोध प्रदर्शन गंभीर विषय माना जा रहा है। एक सर्वे से पता चला है कि कुश्ती की लोकप्रियता का ग्राफ गिर रहा है। बहुत से माता पिता अपने बच्चों को अन्य खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।बेशक, कुछ अखाड़ों पर विवाद का असर साफ नजर आ रहा है। महिला पहलवानों की संख्या घटी है। लेकिन सकारात्मक सोच रखने वाले गुरु खलीफा बदलाव को क्षणिक मानते हैं। उनके अनुसार कुश्ती की लोकप्रियता पर कभी विराम नहीं लग सकता। अधिकांश कुश्ती पंडितों की राय में खेल मंत्रालय, कुश्ती फेडरेशन और आईओए को यह नहीं भूलना चाहिए कि घर की लड़ाई में कुश्ती पर संकट गहरा सकता है और जल्दी ही कोई हल नहीं निकला तो विश्व कुश्ती संस्था भारतीय फेडरेशन पर प्रतिबंध भी लगा सकती है। बेहतर होगा फेडरेशन अध्यक्ष संजय सिंह खेल मंत्री को चैलेंज न करें।

-राजेन्द्र सजवान-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

CMYK

क्या पुलिस पीड़ितों को न्याय दिलाने के बजाए धाराओं के साथ खेल कर आरोपियों को संरक्षण देती है?

पांच एफआईआर वाले आरोपी को पकड़ने अंबिकापुर पुलिस हुई नाकाम प्रार्थी की मदद से दो आरोपी बलरामपुर जिले में पकड़े गए,एक अभी भी फरार...

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
कोरबा-सरगुजा-बलरामपुर-समाचार
अम्बिकापुर ,सोमवार 08 जनवरी 2024
6

आईजी साहब! पुलिस पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कब करेगी काम?

लगभग 2 माह बाद भी पुलिस आरोपियों को पकड़ने में नाकाम...

पांच एफआईआर वाले आरोपी को पकड़ने से आखिर पुलिस क्यों घबरा रही है,क्या पुलिस जमानत का मौका दे रही है आरोपियों को?

अंबिकापुर सिटी कोतवाली के प्रभारी आरोपी को संरक्षण देने बैठे हैं या फिर पीड़ित को न्याय दिलाने की उनकी जिम्मेदारी है?

पुलिस जिसे फरार बता रही है वह फेसबुक व व्हाट्सएप से कॉल कर पीड़ित को रोज कर रहा परेशान

- भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

भारत देश में न्याय के लिए कानून व्यवस्था बनाई गई है पर कानून व्यवस्था यदि न्याय दिलाने के लिए काम ना करें तो फिर ऐसी व्यवस्था का क्या काम? इस व्यवस्था के आड़ में पुलिस विभाग को देखने वाले सिर्फ अपना पैकेट गरम कर रहे हैं पर वहीं न्याय पाने वाला सिस्टम से लड़ाई लड़ रहा है,ऐसा कब तक चलेगा यह बड़ा सवाल है? अंबिकापुर पुलिस का एक नया ही कारनामा सामने आया है कारनामे को यदि समझा जाए तो पुलिस कहीं ना कहीं पूरी तरीके से आरोपी को संरक्षण दी है प्रार्थी के अनुसार आरोपी को पकड़वाने के लिए पुलिस के पास रोज चाकर लगता रहा पर पुलिस 3 महीने में भी आरोपी को पकड़ नहीं पाई, अम्बिकापुर पुलिस पकड़ने में नाकाम रही प्रार्थी खुद जानकारी मिलने पर आरोपी को पकड़ने बलरामपुर जिला गया जहां बलरामपुर पुलिस की मदद से दो आरोपियों को पकड़ा गया पर एक आरोपी अभी भी फरार है आरोपी को पकड़ने के दौरान आरोपी बचने के चक्कर में एक व्यक्ति के ऊपर गाड़ी भी चढ़ा दिया उस पर भी आज तक मामला पंजीयत करने से पुलिस घबरा रही है शिकायत पुलिस थाने में पड़ा है पर उसकी पावती देने में पुलिस आनाकानी कर रही है,जहां पुलिस प्रार्थी के पिता के शिकायत पर अपराध पंजीकृत किया उनका बयान लिया पर प्रार्थी का बयान लेना उचित नहीं समझा जबकि प्रार्थी को गंभीर छोटी आई थी प्रार्थी तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती था गंभीर चोट होने के बावजूद जो धाराएं पुलिस को आरोपी के विरुद्ध उपयोग कर लगानी थी उस धाराओं को ना लगाना पड़े क्या इस वजह से पुलिस पीड़ित का बयान नहीं लिया और उसका मुलायजा रिपोर्ट भी शक के दायरे में है। ऐसा सवाल अब उत्पन्न इसलिए हो रहा है क्योंकि जो धाराएं पुलिस ने लगाया वह जमानती था जिस पर पुलिस ने थाने से ही मुचलके पर दोनों को छोड़ दिया। अंबिकापुर कोतवाली के पुलिस कर्मचारी विवेचक सतीश उपाध्याय ने कहीं ना कहीं आरोपी को संरक्षण ही दिया धाराओं के साथ खेल कर आरोपी को जमानत दिलाने में उनकी अहम भूमिका मानी जा रही है। ऐसा हम नहीं प्रार्थी का आरोप है जिसकी शिकायत प्रार्थी ने सरगुजा आई.जी.,पुलिस अधीक्षक सरगुजा से भी की है।

- » अंबिकापुर पुलिस पीड़ित के पिता के शिकायत पर अपराध को दर्ज कर लिया पर पीड़ित का बयान लेना जरूरी नहीं समझा
- » पीड़ित गंभीर चोट की वजह से 3 दिन तक अस्पताल में रहा भर्ती पर पुलिस उसका मुलहिजा रिपोर्ट भी लगाना जरूरी नहीं समझी
- » क्या अंबिकापुर सिटी कोतवाली के पुलिस आरोपी को संरक्षण देने धाराओं के साथ किया खेल...पीड़ित के बयान के बिना वह पीड़ित के मेडिकल रिपोर्ट के बिना अपराध के धाराओं में की मनमानी?
- » कोतवाली पुलिस आरोपी के हित की करती है बात पर पीड़ित को करती है नजरंदाज

यह है मामला

मिली जानकारी के अनुसार मायापुर अंबिकापुर निवासी सुमित गुप्ता अपने मित्र सूरज गुप्ता को 17 नवंबर मतदान दिवस के दिन सुबह 10:00 बजे उसके घर घुटरापारा छोड़ने जा रहा था इसी बीच चांदनी चौक नानंदाउ पान ठेला के पास मायापुर निवासी विक्की गुप्ता उर्फ विकेश एवं घुटरापारा निवासी दीपक उर्फ दीपू गुप्ता मिल गए और सुमित गुप्ता को पुरानी लड़ाई झगड़ा की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे, जिस पर वह मामले को जैसे तैसे कर शांत कर वहा से निकलकर इसकी शिकायत अंबिकापुर कोतवाली में देने पहुंचा जहां पर थाना प्रभारी मौजूद नहीं थे पर उसने लिखित शिकायत दे कर आया पर वहां पर मौजूद पुलिसकर्मी ने उसे पावती नहीं दी कहा कि 1 घंटे बाद आकर ले जाना,1 घंटे बाद जब वह अपने शिकायत की पावती लेने जा रहा था उसी समय फिर से मायापुर निवासी विक्की गुप्ता व दीपक गुप्ता मिल गए और सुमित गुप्ता को गाली-गलौज करने के बाद उसे लड़ाई करने लगे और एक युवक ने लोहे की रोड से उसके ऊपर प्राणघातक घमला कर दिया और फिर उसे हाथ-मुक्का और डंडे से खूब मारे जिस वजह से सुमित बुरी तरीके से घायल हो गया और उसे घायल अवस्था में ही जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ले जाया गया,जहां पर डॉक्टरों ने गंभीर चोट भी बताई इसके बाद उसके परिजन वहां पहुंचे और परिजनों ने मारपीट की घटना की शिकायत फिर थाने में दर्ज कराई जिसके बाद मामला तो पुलिस ने पंजीकृत कर लिया पर आरोपियों को पकड़ने में उनकी दिलचस्पी बिल्कुल भी नहीं है, खुले आम वह घूम रहे हैं और पीड़ित को गाली-गलौज उसके घर में जाकर कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं की रिपोर्ट वापस ले लो नहीं तो ठीक नहीं होगा ऐसे में अंबिकापुर के कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठता है कि आखिर क्या पुलिस आरोपियों को संरक्षण देती है इतने गंभीर मामले में उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही।

आरोपी है आदतन

जिस आरोपी को लेकर पीड़ित परेशान है वह आरोपी आदतन है इसके ऊपर अंबिकापुर सहित बलरामपुर थाने में 5 अपराध अभी तक दर्ज है अब इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आरोपी कितने स्वच्छ छवि का है जिसे पुलिस गिरफ्तार करने से बच रही है या फिर हो सकता है कि पुलिस प्रयास कर रही है पर आरोपी पकड़ा ना जा रहा हो, पर यदि आरोपी अपने फोन से पीड़ित को धमका रहा है गाली गलौज कर रहा है फिर भी पुलिस नहीं पकड़ पा रही है तो फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठता है।

पुलिस से कैसे करें न्याय की उम्मीद?

अंबिकापुर पुलिस पूरी तरीके से एजेंट बनकर काम कर रही है अपराधी वहां पर आते हैं पर लोगों को डरा धमका कर या फिर सांठ-गांठ कर उसे मामले को वहीं पर दबा दिया जाता है,यही वजह है कि वहां पर कानून व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा चुकी है वहां पर बैठे पुलिस कप्तान भी इसे गंभीरता से नहीं ले पा रहे हैं आलम यह होता जा रहा है की अंबिकापुर सिटी कोतवाली के अंतर्गत गुंडागर्दी हावी होती जा रही। और सबसे अजीब बात तो यह है कि पुलिस को जहां लोगों के न्याय के लिए आनी चाहिए वहां पर वह आरोपियों को ही संरक्षण करते देखे जाते हैं, पुलिस पर शहर के लोगों का यह भी आरोप है कि वहां पर पुलिस एजेंट की तरह काम करती है और पैसे लेने देने पर अपराध दर्ज होते हैं और धाराएं बढ़ती और कम होती हैं।

अधीक्षक से ही रह गई है क्योंकि स्थानीय अधिकारी व पुलिस तो आरोपी को संरक्षण देने में जुटे हुए हैं।

जांच अधिकारी की खानापूर्ति जारी

मामला गंभीर है एक व्यक्ति को काफी चोटे आई हैं पर इसके बावजूद जांच अधिकारी हाथ पर हाथ धरे धरे बैठे हुए हैं आरोपी को पकड़ने में उनकी दिलचस्पी बिल्कुल नहीं है और ऐसा लग रहा है कि आरोपी को संरक्षण भी यही दे रहे हैं।

क्या आरोपी पूर्व कैबिनेट मंत्री का था खास इस वजह से पुलिस ने दिया संरक्षण?

जिन आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध होना था और तत्काल गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजना था उसके लिए प्रार्थी को पुलिस के खूब चक्कर लगाने पड़े फिर भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई, प्रार्थी को खुद आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी तब जाकर आरोपी गिरफ्तार हुआ। उसके बावजूद भी पुलिस ने धाराओं में खेल कर आरोपियों को जमानत मुचलके पर दे दी, ऐसे में सवाल यह उठता है क्या अंबिकापुर पुलिस आरोपियों को इसलिए संरक्षण दी क्योंकि वह पूर्व कैबिनेट मंत्री के गरीबी थे? क्योंकि कई ऐसी तस्वीर आरोपियों का साथ मंत्री जी के इर्द-गिर्द देखी गई,जो इस और इशारा करती हैं कि आरोपी कहीं ना कहीं मंत्री जी के काफी खास थे। क्या आरोपियों की गिरफ्तारी न हो इसलिए उसे समय के तत्कालीन मंत्री पुलिस वालों को मना कर रखा था? इस वजह से पुलिस गिरफ्तारी में दिलचस्पी नहीं दिख रही थी? आज जब गिरफ्तारी हो भी गई तो भी कई गंभीर धाराओं से पुलिस उन आरोपियों को बचाती दिखाई दी।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नवापारा में रविवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अभिमन्यु गुप्ता,पार्षद आलोक दुबे,वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता करता राम गुप्ता ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर. एन. गुप्ता तथा जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ जे.के. रेलवानी ने की। उक्त कार्यक्रम में शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ आयुष जायसवाल, प्रभारी शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ पुष्पेन्द्र राम, कीमोथेरेपी प्रभारी चिकित्सक डॉ हिमांशु गुप्ता एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ बी.सी. पैकेरा, डॉ शीला नेताम, डॉ मनीष तिवारी, डॉ नीरू पटेल एवं सुपरवाईजर अनिल पांडेय, धनेश प्रताप सिंह एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा के कर्मचारी मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों ने कैंसर के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए बातचीत की और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सदस्यों ने समुदाय को स्वस्थ जीवनशैली के महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने भी कैंसर के खिलाफ सामूहिक प्रतिबद्धता और जागरूकता में भूमिका निभाई, जिससे इस महत्वपूर्ण समस्या के खिलाफ एकजुटता में वृद्धि होगी।

जुड़ेगा छात्र जीतेगा इंडिया के पोस्टर का विमोचन किया गया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे आज अपने दौरे पर अंबिकापुर पहुंचे जहां राष्ट्रीय एनएसयूआई के द्वारा चलाए जा रहे अभियान जुड़ेगा छात्र जीतेगा इंडिया के पोस्टर का विमोचन किया गया एवम राहुल गांधी जी के न्याय यात्रा को लेकर संभाग के समस्त जिले के अध्यक्ष प्रदेश पधाधिकारियो को बैठक राजीव भवन अंबिकापुर में ली उन्हीं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए टूक में कहा की जो कार्यकर्ता संगठन के अनुरूप कार्य नहीं करता तो उसके ऊपर कार्यवाही जरूर को जायेगी न्याय यात्रा के संबंध में कहा की समस्त एनएसयूआई के कार्यकर्ता छात्रों के मुद्दे को बढ़ चढ़ कर उठाते हुए उनके हित में कार्य करे और तानाशाही सरकार के खिलाफ आंदोलन जारी रखे हमारे नेता राहुल गांधी न्याय को लेकर देश में यात्रा कर रहे है हमे उनके साथ खड़े होकर न्याय के लिए आवाज उठाना है जिस तरह से देश मे मोदी सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे है हम छात्रों के साथ मिलकर आवाज को और बुलंद होकर उठाना है कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, हिमांशु जायसवाल, प्रदेश महासचिव मयंक सोनी, विशाल, नीतीश ताम्रकर,मनीष डूबे,प्रदेश महासचिव सरफराज खान अनिमेष तिवारी, प्रदेश सचिव राहुल भारती,कार्यकारी जिलाध्यक्ष सरगुजा मयंक, जिलाध्यक्ष बलरामपुर रूपेश यादव,जिलाध्यक्ष कोरिया आशु कुजूर, जिलाध्यक्ष सूरजपुर चंद्रकांत चौधरी,ब्लॉक अध्यक्ष अंबिकापुर अभिषेक सोनी, खेल विभाग जिलाध्यक्ष रजत सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, गौतम गुप्ता, वैभव पांडे,शिवम सिंह,चंदन गुप्ता,आदित्य विभु ,राशिद खान,नीतीश तिर्की,सोनू रजवाड़े, नोएल तिग्गा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत के जर्जर भवन में लगी आग,दस्तावेज जलकर खाक

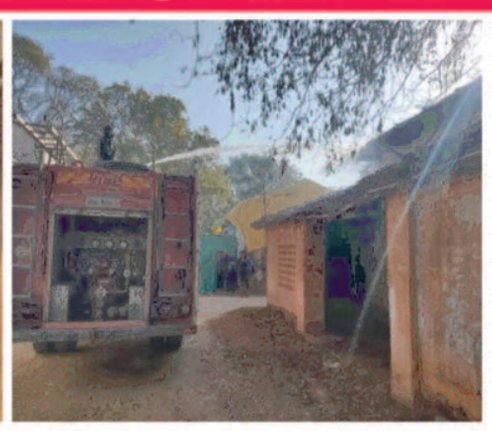

सूचना पर तत्काल पहुंचा पुलिस बल,तहसीलदार पुष्पराज पात्रे व जनपद पंचायत सीईओ पारस राम पैकरा मौके पर रहे मौजूद

- संवाददाता -
प्रतापपुर,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला अंतर्गत जनपद पंचायत प्रतापपुर के पुराने भवन में आग लग जाने से वहां रखे पुराने दस्तावेज जलकर खाक हो गए।

रविवार की सुबह जनपद पंचायत के पुराने भवन के एक कक्ष जिसमें पुराने दस्तावेज रखे हुए थे उसमें से सुबह छह बजे के लगभग आसपास के लोगों को धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो पता चला कि वहां आग लगी हुई थी। इसी बीच किसी ने स्थानीय प्रशासन को सूचना दी। सूचना पर तत्काल पुलिस बल, तहसीलदार पुष्पराज पात्रे व जनपद पंचायत सीईओ पारस राम पैकरा मौके पर पहुंचे। जिसके बाद प्रतापपुर में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था न होने के कारण जरही जरही में मौजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ी को तत्काल मौके पर पहुंचने की सूचना भेजी गई। पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी को पहुंचने में समय लग रहा था और आज भी तेजी से फैल रही थी। स्थिति को देखते हुए नगर पंचायत से एक पानी का टैंकर मंगवाया गया। टैंकर से पाइप की मदद से पानी निकाल आग बुझाने का काम शुरू किया गया। पर इस तरह के उपाय से आग पूरी तरह से नहीं बुझ पा रही थी। आग पुराने दस्तावेजों से भरे हुए जर्जर कक्ष के ऊपर तक फैल चुकी थी। इस बीच करीब साढ़े आठ बजे मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग बुझाने का काम शुरू किया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाने में सफलता हासिल की।

बाल-बाल बचे अन्य कार्यालय

बता दें कि यदि जल्द ही आग पर काबू नहीं पाया गया होता तो शासन को और भी ज्यादा बड़ा नुकसान हो सकता था। क्योंकि जहां आग लगी हुई थी उसी के बगल में उप पंजीयक कार्यालय (रजिस्ट्री ऑफिस) भी है। जहां जमीन से जुड़े कार्यों के अनेक दस्तावेज, कंप्यूटर व प्रिंटर आदि रखे हुए थे। साथ ही आग लगे हुए कक्ष के पीछे महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्यालय भी है जो कि समय रहते आग के बुझ जाने से सुरक्षित बच गए। अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

लंबे समय से जर्जर भवन में रखे हुए थे पुराने दस्तावेज

गौरतलब है कि जिस भवन के कक्ष में आग लगी थी वहां पूर्व में जनपद पंचायत कार्यालय संचालित होता था। भवन के जर्जर होने के बाद शासन ने उससे थोड़ी ही दूरी पर एक नए भवन का निर्माण कराकर वर्ष 2012 में जनपद पंचायत कार्यालय को उसमें स्थानांतरित कर दिया था। कार्यालय को तो नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया पर सवाल यह उठता है कि पुराने भवन में संचालित कार्यालय के दस्तावेज जो अब जलकर खाक हो चुके हैं उन्हें आखिर 11 साल बीत जाने के बाद भी नए भवन में स्थानांतरित क्यों नहीं किया गया।

रूसी अंतरिक्ष यात्री ने बना डाला रिकार्ड,पेस में सबसे ज्यादा दिन तक रहने का रिकॉर्ड,अब भी करीब 4 महीने...

रॉयटर्स,04 फरवरी 2024। रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग कोनोनेंको ने नया इतिहास रचा है। उन्होंने रविवार को अतंरिक्ष में सबसे ज्यादा दिनों तक रहने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। बता दें कि 59 वर्षीय कोनोनेंको ने अपने ही देश के अंतरिक्ष यात्री गेन्नेडी पडल्का का रिकॉर्ड तोड़ यह उपलब्धि हासिल की। गेन्नेडी पडल्का ने स्पेस में 878 दिनों से अधिक समय बिताया था और कोनोनेंको ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है और 5 जून तक उनके स्पेस में ही रहने की उम्मीद है। ऐसे में स्पेस में रहते हुए उन्हें हजार दिन पूरे हो जाएंगे और सितंबर के अंत तक वह 1,110 दिन पूरे कर लेंगे।

5 जून तक उनके स्पेस में ही रहने की उम्मीद

कोनोनेंको ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक साक्षात्कार में टीएएसएस को बताया,मैं अपना पसंदीदा काम करने के लिए अंतरिक्ष में उड़ान भरता हूं, रिकॉर्ड बनाने

के लिए नहीं। मुझे अपनी सभी उपलब्धियों पर गर्व है, लेकिन मुझे इस बात पर अधिक गर्व है कि अंतरिक्ष में मानव प्रवास की कुल अवधि का रिकॉर्ड अभी भी एक रूसी अंतरिक्ष यात्री के पास है। बता दें कि वह अभी पृथ्वी से लगभग 263 मील (423 किमी) की दूरी पर परिक्रमा कर रहे है।

बता दें कि गेन्नेडी पडल्का ने कुल 878 दिन, 11 घंटे, 29 मिनट और 48 सेकंड का समय अंतरिक्ष में बिताया था।सोवियत संघ ने 1957 में पृथ्वी की कक्षा में स्पुतनिक 1 उपग्रह लॉन्च किया था। सोवियत अंतरिक्ष यात्री यूरी गगारिन 1961 में अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति बने।

कौन हैं कोनोनेंको?

1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद, रूस का अंतरिक्ष कार्यक्रम बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से जूझ रहा था।अधिकारियों और अंतरिक्ष विश्लेषकों के अनुसार, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अधीन अधिकारियों ने बार-बार रूस के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में गिरावट को दूर करने की कोशिश की।

कोनोनेंको ने बचपन में अंतरिक्ष में जाने का सपना देखा था और अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण से पहले एक इंजीनियरिंग संस्थान में दाखिला लिया। उनकी पहली अंतरिक्ष उड़ान 2008 में थी। आईएसएस की उनकी वर्तमान यात्रा पिछले साल सोयुज एमएस-24 पर शुरू हुई थी।

बचपन में नस्लवाद का हुए थे शिकार, ब्रिटेन का पीएम बन सबको किया हैरान

सुनक क्यों लेते थे ड्रामा क्लासेस?

लंदन, 04 फरवरी 2024। ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि जब वह बच्चे थे तो उन्होंने नस्लवाद का अनुभव किया था। समाज में फिट बैठने के लिए सही लहजे (एसेंट) में बोल सकें इसके लिए उनके माता-पिता सुनक को अतिरिक्त ड्रामा क्लास के लिए भेजा करते थे।

सुनक ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि आप अलग होने के प्रति सचेत होते हैं। ऐसा न होना कठिन है। सुनक ने अपने छोटे भाई-बहनों के लिए अपशब्द सुनने के दर्द को भी याद किया। उन्होंने कहा कि नस्लवाद दुखता है और उस तरह से पीड़ा पहुंचाता है, जो अन्य चीजें नहीं पहुंचातीं। जो उन्होंने अनुभव किया वह अब उनके बच्चों के साथ नहीं होगा।

जब सुनक की लगी थी ड्रामा क्लास

सुनक ने कहा कि उनकी मां इस बात को लेकर विशेष रूप से सचेत थीं कि उनके बच्चे कैसे बोलते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी मां जिन चीजों को लेकर बहुत जुनूनी थीं उनमें से एक यह थी कि हम सही उच्चारण के साथ बात नहीं करते और हम सही से बात करें। वह चाहती थीं कि हम इसके लिए कुछ अतिरिक्त ड्रामा क्लास करें। मुझे लगता है कि नस्लवाद का कोई भी रूप पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

सुनक ने स्वीकार किया कि कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन कोई जातीय अल्पसंख्यक प्रधानमंत्री होगा,क्योंकि आपके पास उस तरह के रोल मॉडल नहीं थे। यह अभी तक नहीं हुआ था।

लिसिचांस्क की बेकरी को यूक्रेन ने बनाया निशाना,नौ महिलाएं सहित 28 की मौत

रायटर,मास्को,04 फरवरी 2024 । रूस के कब्जे वाले शहर लिसिचांस्क में एक बेकरी और रेस्त्रां पर यूक्रेन की ओर से की गई गोलाबारी में 28 लोग मारे गए। मरने वालों में नौ महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। चार अन्य लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मलबे से निकाले गए लोग

स्थानीय नेता लियोनिद पासेचनिक ने कहा कि हमले के वक्त बेकरी में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। उन्होंने बताया कि आपातकालीन सेवा द्वारा 10 अन्य लोगों को मलबे से बचाया गया और अन्य की खोज की जा रही है। हालांकि,इस घटना को लेकर यूक्रेनी अधिकारियों की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

रूस ने हमले की निंदा की

रूस के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की निंदा की है। साथ ही कहा है कि पश्चिम को यह सोचना चाहिए कि वह आम नागरिकों को मारने में यूक्रेन की मदद क्यों कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस हमले में विदेशी हथियार का प्रयोग किया गया है।

वहीं,यूक्रेन के सुमी क्षेत्र के सैन्य प्रशासन ने रविवार को कहा कि रूसी सेना ने एक दिन पहले 16 अलग-अलग हमलों में इस क्षेत्र पर गोलाबारी की थी। हमले में युना किव्का, बिलो पिलिया, क्रास्नो पिलिया, वेलिका पाय सारिव्का और एस्मान के सीमावर्ती इलाके शामिल थे।

अम्बिकापुर में इप्टा की चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरे रंग

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

पिछले 35 वर्षों से इप्टा द्वारा बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी रविवार को गांधी स्टेडियम में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 50 विद्यालयों के काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रेम, स्वतंत्रता सेनानी, प्रकृति, पृथ्वी की सुरक्षा, सद्भावना, आदि विषयों पर बच्चों ने अपनी भावनाओं को कागज पर रंग के माध्यम से दर्शाया। इस अवसर पर इप्टा अम्बिकापुर के अध्यक्ष अंजनी पांडेय और गोपाल पाण्डे ने गीत गाकर प्रतियोगियों का उत्साह वर्धन किया। डॉ.रामकुमार मिश्र और हरिशंकर त्रिपाठी ने छात्रों को संबोधित किया और उनको कल्पना की उड़ान भरते रहने के लिए प्रेरित किया। आशा निकुंज के मूक बधिर छात्रों ने मोहक चित्र उकेर कर सबको चकित कर दिया। इस अवसर पर साहित्यकार तपन बनर्जी,विजय गुप्त,वेद प्रकाश अग्रवाल, रंगकर्मी प्रितपाल सिंह,सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र सिंह सोढी,रंगकर्मी कृष्णानंद तिवारी,शिक्षक गुरमीत कौर,संजय मनमानी,संदीप सिन्हा,पार्षद द्वितेंद्र मिश्रा,गुरुद्वारा अध्यक्ष रघुवीर छाबड़ा,राजेश मिश्रा,डॉ. आशा शर्मा,आशीष शर्मा,अनामिका वर्मा,सिया विश्वकर्मा,प्रियंका पांडेय,सुग्रीव,प्रशांत खेमरिया, अंबिका खेमरिया, प्रभु नारायण,अंकिता सिंह उपस्थित थे।

सडक़ हादसे में आयकर विभाग के चालक की हुई मौत,जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे स्थित साडबार के पास सडक़ हादसे में आयकर विभाग के चालक की मौत हो गई वहीं लखनपुर पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक जयेंद्र पाल पिता मुंजु राम उम्र 30 वर्ष ग्राम चैनपुर निवासी जो आयकर विभाग में चालक के रूप में कार्यरत था। 3 फरवरी दिन शनिवार के शाम लगभग 6.30 बजे वह अपने गृह ग्राम चैनपुर से बाइक में सवार होकर अंबिकापुर ड्यूटी करने जा रहा था।जैसे ही वह साडबार के पास पहुंचा। बाइक पर से नियंत्रण खो दीया और सडक़ किनारे खड़े ट्राले में जा टकराया जिससे

बाइक सवार युवक को गंभीर चोटे आई । घायल को उपचार हेतु अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रिफर किया गया था। रायपुर ले जाने के दौरान कटघोरा के आसपास घायल जिहेद्र पाल ने दम तोड़ दिया।परिवार जनों द्वारा शव को लखनपुर लाया गया। और घटना की सूचना पुलिस को दी गई सूचना उपरांत पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपूर्द किया है। जीरो मर्ग कायम विवेचना में लिया गया है।घटना के बाद से परिवारजनों सहित गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

घर में रखकर कर रहा था गांजे की बिक्री,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

आबकारी विभाग के संभागीय उडऩदस्ता टीम ने शहर के दर्रीपारा स्थित एक घर में छापेमारी कर 3.5 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। आबकारी विभाग के संभागीय उडऩदस्ता टीम को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के दर्रीपारा निवासी बलराम मिश्रा अपने घर में भारी मात्रा में गांजा रखकर पत्नी के साथ बिक्री करता है। मुखबिर की सूचना पर टीम छापेमारी कर उसके घर से 3.5 किलो गांजा जब्त किया है। सहायक

जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान आरोपी की पत्नी रिंकू एवं बेटियों द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डाला गया। इस दौरान इन लोगों ने टीम के साथ गाली गलौज करते हुए महिला सैनिक एवं आरक्षक का वर्दी फाड़ दिया। टीम ने आरोपी बलराम मिश्रा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 बी के तहत गिरफ्तार जेल दाखिल कर दिया है। आबकारी मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, आबकारी आरक्षक अशोक सोनी, रामाधार कुशवाहा, नगर सैनिक गणेश पांडेय, रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं ममता विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं को कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मिलता है अवसर

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

सरस्वती महाविद्यालय सुभाष नगर में 14 वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रबोध मिंज विधायक लुनड्रा, सुनील शर्मा आईपीएस तथा गोविन्दराम चुरेन्द्र सरगुजा संभाग के आयुक्त, समिति के अध्यक्ष सुभाष चंद्र अग्रवाल, व्यवस्थापक बसंत कुमार गुप्ता, कोषा अध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि की अध्यक्षता में किया गया। महाविद्यालय समिति के व्यवस्थापक बसंत कुमार गुप्ता द्वारा महाविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें महाविद्यालय के वर्ष भर में हुए कार्य का विवरण दिया गया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर पीजी से विवेक तिवारी एमएससी गणित तथा प्रियंका पांडे एमएससी बॉटनी एवं यूजी से

बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर नितिन कुमार शर्मा बीए तृतीय वर्ष तथा प्रीति जायसवाल बीएससी बायो बेस्ट एनएसएस वालंटियर रॉबिन व राधा यादव बेस्ट स्पोर्ट पर्सन टटेश्वर राजवाड़े एवं बीपीई एस से बिंदु विश्वकर्मा एवं 100 प्रतिशत उपस्थिति में अनामिका जायसवाल एवं अनिमेष प्रकाश को दिया गया।

मुख्य अतिथि प्रबोध मिंज ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह उत्सव साल भर के परिश्रम के बाद आता है इसमें छात्र-छात्राओं को अपनी रुचि के अनुसार कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है इसी बहाने अभिभावकों को भी महाविद्यालय आकर छात्रों की प्रगति देखने मिलती हैं।

पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को कहा कि आमतौर पर छात्रों और उनके समर्पण का सम्मान करने का उत्सव होता है साथ उनके लिए अधिक प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए मंच के रूप में कार्य करता है छात्रों को वार्षिक कार्यक्रम में अपने प्रबंधन एवं अन्य मजबूत प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के अन्य छात्रों प्रध्यापकों अन्य सदस्यों के साथ वार्तालाप बढ़ाने का अवसर प्रदान होता है।

महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष सुभाष चंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह वर्ष हमारे महाविद्यालय के लिए असाधारण रहा है हम ने एक साथ कई उपलब्धियां हासिल की महाविद्यालय ने नैक में बी प्लस ग्रेड ,खेल में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों से लेकर शैक्षणिक सफलता तक हमने बहुत कुछ हासिल किया है और अपने महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है मैं सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं।

सात दिनों से लापता बच्चे का सुराग नहीं,नगरवासियों ने घेरा थाना

नगर के होटल व्यवसाई अशोक कश्यप का 10 वर्षीय पुत्र 29 जनवरी से है लापता

- संवाददाता -

प्रतापपुर,04 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

सात दिनों बाद भी लापता बच्चे का कोई सुराग न मिलने से आक्रोशित हुए नगरवासियों ने रविवार को प्रतापपुर थाने का घेराव कर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

बता दें कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का छात्र व नगर के होटल व्यवसाई अशोक कश्यप का 10 वर्षीय पुत्र 29 जनवरी को स्कूल से आने के बाद अपने होटल जा रहा हूं बोलकर घर से निकला था इसके बाद से ही वह लापता है। पुलिस की लाख कोशिशों के बावजूद बच्चे का कोई भी सुराग नहीं मिल पा रहा है। पुलिस ने बच्चे की तलाश में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है पर बच्चे का कहीं पर भी कोई पता नहीं चल पा रहा है। पुलिस द्वारा बच्चे का पता लगाने में अब तक असफल रहने से नाराज लोगों ने पहले तो नगर के हनुमान मंदिर

परिसर में एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें लापता बच्चे के संबंध में चर्चा की गई। चर्चा उपरांत बड़ी संख्या में बैठक में मौजूद आक्रोशित लोगों ने रिशु को वापस लाना होगा पुलिस प्रशासन होश में आओ के नारे लगाते हुए नगर में रैली निकाली। इसके बाद सभी लोग थाने पहुंचे और वहां भी पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इस बीच एसडीओपी अरुण नेताम,थाना प्रभारी किशोर केरकेट्टा, एएसआई हरिशंकर तिवारी ने आक्रोशित लोगों को समझाइश देते हुए बताया कि पुलिस बच्चे की तलाश में कोई भी कसर नहीं छोड़ रही है। बच्चे की जानकारी के साथ उसके लापता होने की सूचना सूरजपुर जिला सहित अन्य कई जिलों के सभी थाना-चौकियों में भी दी गई है। बच्चे की तलाश के लिए सभी आधुनिक तकनीकों की भी सहायता ली जा रही है साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों को भी थाने में बैठाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से कहा कि आप लोग पुलिस का सहयोग करें पुलिस बच्चे की तलाश करने हर संभव प्रयास कर रही है जल्द ही बच्चे का पता लगा लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस की समझाइश के बाद लोग शांत होकर अपने घरों को जरूर लौट गए हैं पर लोगों का कहना था कि यदि पुलिस ने जल्द ही बच्चे का पता नहीं लगाया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

चक्काजाम की दी चेतावनी

थाने का घेराव करने पहुंचे आक्रोशित नगरवासियों ने पुलिस को एक ज्ञापन भी सौंपा है। जिसमें बच्चे के लापता होने से संबंधित विवरण दर्शाते हुए चेतावनी दी गई है कि यदि पुलिस सोमवार की शाम छह बजे तक भी बच्चे का सुराग नहीं लगा पाती है तो नगर के मुख्य मार्ग पर सभी नगरवासियों द्वारा चक्का जाम किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

डाग स्क्वायड की भी ली जा चुकी है मदद

बच्चे की तलाश करने पुलिस द्वारा 31 जनवरी को डाग स्क्वायड टीम को भी बच्चे के घर पर ले जाया गया था जहां टीम के श्वान ने बच्चे के घर के सामने स्थित पक्की तालाब की ओर बच्चे के जाने का इशारा किया था। जिसके बाद सूरजपुर से डीडीआर? एफ के गोताखोरों ने आकर तालाब में प्रवेश करते हुए कैमरे व नाव की मदद से पूरे तालाब को छान दिया था पर वहां भी बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

चल रही थी शादी की तैयारी,गठित दल ने रुकवाया बाल विवाह

बालिका को बाल विवाह नहीं करने एवं उसके कानूनी व्यावधान से करावा गवा अवगत

- संवाददाता -

सूरजपुर,04 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिले में बाल विवाह के लिए जिले के कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में प्रशासनिक तंत्र अलर्ट पर है। जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेस सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में महिला बाल विकास विभाग,जिला बाल संरक्षण इकाई,चाईल्ड लाईन एवं पुलिस की टीम को सूचना मिलते ही उम्र का सत्यापन कर,उम्र कम पाए जाने पर संबंधित ग्राम जाकर संयुक्त टीम द्वारा बालिका या बालक का कथन कर, विवाह ना करने कि समझाईश दी जाती है,परिजनो को बालविवाह के दुष्परिणामों और कानून की जानकारी दी जाती है और बाल विवाह करने पर होने वाले कानुनी कार्यवाही के बारे मे बताया जाता है। परिवार द्वारा विवाह नही करने की सहमति देने के पश्चात पंचनामा एवं अभिभावकों का कथन लिया जाता है।

इसी क्रम में ग्राम रविन्द्रनगर,पो. अजबनगर, निवासी रोहित मंडल के घर पर नाबालिक का बाल विवाह किये जाने की सूचना जिला कार्यक्रम अधिकारी को प्राप्त हुई। जैसे ही जानकारी प्राप्त हुई,बाल विवाह रोकने हेतु गठित दल को अलर्ट कर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। दल द्वारा ग्राम में पहूँच कर देखा गया तो शादी की तैयारी चल रही थी। बालिका के पिता से पूछताछ करने पर बताया गया कि वह शादी नही कर रहे बल्कि सगाई का कार्यक्रम है। परंतु बालिका के पिता रोहित मंडल को बाल विवाह नहीं करने एवं उसके कानूनी व्यावधान से अवगत कराया गया। जिस पर रोहित मंडल द्वारा बताया गया की वह अपनी बेटी की शादी आज कर रहे है। संयुक्त टीम द्वारा बाल विवाह अधिनियम 2006 के तहत समझाइस देते हुए इस विवाह की तिथि को 06 माह और आगे बढ़ाने के संबंध में समझाईस दिया गया। संयुक्त टीम द्वारा दिये गये समझाईश को मानते हुए अब शादी नहीं कर के आगामी 6 माह बाद जब बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो जाने के पश्चात शादी करगें पर अपनी सहमती दी। इस शादी को नहीं करने के संबंध में पंचनामा तैयार किया गया। जिस पर परिवारजनों एवं बालिका के पिता ने हस्ताक्षर किया।

आप अवगत है कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल विवाह से बच्चों का सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनिमय 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता, सगे संबंधी, बाराती यहॉ तक कि विवाह कराने वाले पुरोहित पर भी काननी कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त यदि वर या कन्या बाल विवाह पश्चात विवाह को स्वीकार नहीं करते है तो बालिंग होने के पश्चात विवाह को शून्य घोषित करने हेतु आवेदन कर सकते है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण,शिशु-मृत्यु दर एवं मातृ-मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है एवं बाल विवाह बालकों के सर्वोत्तम हित में नहीं है। अतः इसकी पूर्ण रोकथाम किया जाना आवश्यक है।

उक्त कार्यवाही में जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी संस्थागत अखिलेश कुमार सिंह, चाईल्ड लाईन से टीम समन्वयक कार्तिक मजूमदार, प्रकाश राजवाडे,शितल सिंह, महिला बाल विकास विभाग से पर्यवेक्षक दुर्गावती कूजूर,पुलिस थाना-जयनगर से हेड कान्सटेबल ब्रिज किशोर ध्रव,श्याम सिंह एवं दिनेश ठाकुर उपस्थित रहे।

घटती-घटना खबर का बड़ा असर

42 जुआड़ी चढ़े पुलिस के हत्थे

सूरजपुर पुलिस की अंतरराज्जीय जुआ फड़ के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

- घटती-घटना की खबर हुई सत्य साबित...लंबे समय से चल रहा था अंतरराज्यीय जुए का खेल
- बसदेई पुलिस हुई नाकाम एसपी ने स्पेशल टीम भेजकर करवाई कार्यवाही
- स्थानीय पुलिस की संलिप्तता की बात आई सामने...
- क्या सूरजपुर कप्तान बसदेई चौकी के कर्मचारियों पर करेंगे कार्यवाही ?
- सूरजपुर पुलिस ने 42 जुआड़ियों को जुआ खेलते पकड़ा,6 लाख 51 हजार 600 रूपये किया जप्त

आरोपीगण

(1) सुनील शिवहरे निवासी लक्ष्मीपुर अम्बिकापुर (2) निर्मल सिंह ग्राम गंगोटी बसदेई (3) महेन्द्र साहू ग्राम सोनपुर बसदेई (4) हसनैन रजा ग्राम भवराही बसदेई (5) शिवकुमार सिंह ग्राम तिलसिवांपारा भटगांव (6) श्याम सुन्दर गुप्ता ग्राम जरही भटगांव (7) डलेश्वर राजवाड़े ग्राम सलका भटगांव (8) राजेश्वर प्रसाद साहू ग्राम बड़सरा झिलमिली (9) सुरेश कुशवाहा ग्राम पर्री सूरजपुर (10) दीपक सिंह ग्राम पर्री सूरजपुर (11) तुलेश्वर राम गाम जरहाडीह रघुनाथपुर (12) शिवकुमार विश्वकर्मा ग्राम सलका भटगांव (13) सत्येन्द्र सिदार ग्राम सलका, उदयपुर (14) नीरज जायसवाल ग्राम सलका, उदयपुर (15) कमलेश साहू ग्राम सरना, रघुनाथनगर (16) रामप्रसाद राजवाड़े ग्राम गजाधरपुर लटोरी (17) विपिन हलधर ग्राम सरगवां अम्बिकापुर (18) ठाकुर राजवाड़े ग्राम बतरा विश्रामपुर (19) सावन अग्रवाल ग्राम सरगवां उदयपुर (20) आकाश जायसवाल बौरीपारा अम्बिकापुर (21) राजू तांडिया ग्राम शिवप्रसादनगर बसदेई (22) अमित कुजूर ग्राम गंगापुर खुर्द अम्बिकापुर (23) बिकुल सोनी, मायापुर अम्बिकापुर (24) नरेश मुंडा अम्बिकापुर (25) तनवीर आलम ग्राम लटोरी (26) मुनेश्वर साहू मणीपुर अम्बिकापुर (27) आलोक पैंकरा, दर्रीपारा अम्बिकापुर (28) खुर्शीद आलम ग्राम करवां लटोरी (29) राहुल सिंह, अम्बिकापुर (30) नंदूलाल पैंकरा ग्राम मोहली झिलमिली (31) सुजीत गुप्ता, मणीपुर अम्बिकापुर (32) आलम खान ग्राम डांडगांव उदयपुर (33) राजू सिंह ग्राम डांडगांव उदयपुर (34) अजय तिर्की अम्बिकापुर (35) साजिद अंसारी ग्राम बटवाही लुण्ड्रा (36) मोहम्मद ताहिर ग्राम भवराही बसदेई (37) जय प्रकाश साहू ग्राम बड़सरा झिलमिली (38) अविनाश एक्का, गांधीनगर अम्बिकापुर (39) हदीश अंसारी ग्राम सोनपुर बसदेई (40) सुशील साहू ग्राम बड़सरा झिलमिली (41) प्रीतम दुबे ग्राम बड़सरा झिलमिली (42) विकास मिंज ग्राम भकुरा, अम्बिकापुर

स्थानीय पुलिस की संलिप्तता की बात सच हुई साबित,बाहर की पुलिस टीम से पुलिस कप्तान के करवाई कार्यवाही

बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत शिवप्रसाद नगर में संचालित अंतरराज्यीय जुआ फड़ स्थानीय पुलिस के संरक्षण में चल रहा है ऐसा घटती-घटना ने सूत्रों के हवाले से खबर का प्रकाशन किया था। शिवप्रसाद नगर के जुआ फड़ पर जो पुलिसिया कार्यवाही हुई उसको देखने के बाद यह बात स्पष्ट भी होती है की स्थानीय पुलिस का जुआ फड़ को संरक्षण मिलता था तभी सूरजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक ने जुआ फड़ पर कार्यवाही के लिए अलग टीम गठित की जिसमे बसदेई पुलिस चौकी का कोई पुलिसकर्मी शामिल नहीं किया गया। टीम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित सूरजपुर कोतवाली प्रभारी साथ ही विश्रामपुर थाना प्रभारी सहित इन्ही पुलिस थानों के पुलिसकर्मी शामिल रहे जिससे कार्यवाही में बड़ी रकम और 42 जुआड़ी पकड़े गए। कुल मिलाकर बसदेई पुलिस चौकी के पदस्थ प्रभारी सहित अन्य किसी पुलिस कर्मी को कार्यवाही की भनक नहीं लगी जिससे कार्यवाही संभव और सफल हुई जुआड़ी और बड़ी रकम जब्त हुई। माना जा रहा है की बसदेई पुलिस चौकी में पदस्थ किसी भी पुलिस कर्मी को यदि भनक भी लगती कार्यवाही की कार्यवाही सफल नहीं साबित होती।

एक पुलिसकर्मी के नाम पर रखा जाता था वसूली डिब्बा,संरक्षण के नाम पर पुलिस को मिलता था हिस्सा

जैसा की घटती-घटना ने पहले ही अवगत कराया था की बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले शिवप्रसाद नगर में अंतरराज्जीय जुआ फड़ संचालित हो रहा है और जहां प्रतिदिन लाखों का जीत हार का दांव लग रहा है और जो 3 और 4 फरवरी की रात हुई कार्यवाही के बाद सत्य बात साबित हुई लाखों रुपए और 42 जुआड़ी इस दौरान पकड़े गए। जैसा की पहले ही अवगत कराया गया था की यह जुआ फड़ बसदेई पुलिस चौकी के संरक्षण में संचालित हो रहा था जैसा की सूत्रों का दावा था। जुआ फड़ से पुलिस का बकायदा हिस्सा निकलता था जिसके लिए एक डिब्बा रखा जाता था जो एक पुलिसकर्मी के नाम का डिब्बा हुआ करता था। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है की संचालन पुलिस के ही तरफ से होता था क्योंकि डिब्बा नाम का होता था जो सूत्रों का ही दावा था। बताया यह भी जाता है की जिस पुलिस कर्मी के नाम का डिब्बा वसूली के लिए रखा जाता था उसे हिस्सा ज्यादा मिलता था और उसके बाद बची राशि अन्य पुलिसकर्मियों में बांट दी जाती थी।

क्या अब बसदेई चौकी के समस्त पुलिसकर्मियों पर पुलिस कप्तान सूरजपुर करेंगे कार्यवाही ?

बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले शिवप्रसाद नगर के एक पेट्रोल पंप में अंतरराज्जीय जुआ फड़ पर कार्यवाही हुई है,कार्यवाही में लाखों रुपए और 42 जुआड़ी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। कार्यवाही में बसदेई पुलिस चौकी का कोई पुलिसकर्मी शामिल नहीं किया गया क्योंकि पुलिस कप्तान को भी आभास था की ऐसे में गोपनीयता कार्यवाही की भंग हो सकती है क्योंकि चौकी के संरक्षण में ही जुआ फड़ के संचालन की बात समाने आ रही थी। अब जब कार्यवाही हो चुकी है और चौकी के पुलिस कर्मियों पर लग रहे इस बात के आरोप की उनके संरक्षण में अंतरराज्जीय जुआ फड़ संचालित हो रहा है यह बात साबित हो चुकी है क्या पुलिस कप्तान सूरजपुर चौकी के पुलिसकर्मियों पर भी कार्यवाही करेंगे? वैसे माना जा रहा है की कार्यवाही चौकी के पुलिसकर्मियों पर भी होगी यह तय है क्योंकि पुलिस कप्तान ने मामले को गंभीरता से लिया है।

शिवप्रसाद नगर में बड़े पैमाने पर चल रहा जुआ पर क्या बसदेई पुलिस दो छोटी-छोटी कार्यवाही कर अधिकारियों के आंख में धूल झोंकने का कर रही है प्रयास ?

भाजपा नेता व बसदेई पुलिस के संरक्षण में शिवप्रसाद नगर में चल रहा है बड़े पैमाने पर जुआ...पर क्या उस जुआ फड़,बसदेई पुलिस कर पाएगी कार्यवाही ?

क्या खबर छपने के बाद बसदेई पुलिस दो छोटी कार्यवाहियां करके अपने आप को पाक साफ साबित करना चाह रही है ?

घटती घटना की खबर का असर,दो अलग-अलग मामलों में जुआडियों पर हुई कार्यवाही

-ओंकार पांडेय-
सूरजपुर 04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

अंततः एक बार और घटती-घटना की खबर का असर देखने को मिला है और एक बड़े अंतरराज्यीय जुआ फड़ पर कार्यवाही हुई है जिस मामले में घटती-घटना ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित करते हुए मामले को पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाने का काम किया था। विगत दो माह से भी लंबे समय से चल रहे अंतरराज्यीय जुआ फड़ को स्थानीय पुलिस का संरक्षण प्राप्त हो रहा था यह भी घटती घटना ने अपनी खबर में प्रकाशित किया था और जो कार्यवाही जुआ फड़ पर हुई है उसको देखते हुए कहा जा सकता है की खबर कितनी सही थी, क्योंकि स्थानीय पुलिस ही सहयोगी थी ऐसा सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार घटती घटना ने प्रकाशित किया था और कार्यवाही में भी स्थानीय पुलिस को शामिल न किया जाना और बिना उन्हे सूचना दिए ही पुलिस कप्तान के नेतृत्व में अन्य पुलिस थानों की पुलिस के माध्यम से कार्यवाही कराना यह साबित करता है की स्थानीय पुलिस के संज्ञान में यदि कार्यवाही की बात आई होती यह कार्यवाही संभव नहीं हो पाती। अंतरराज्यीय जुआ फड़ सूरजपुर जिले के बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत शिवप्रसाद नगर में संचालित हो रहा था जहां कई जिलों सहित कई प्रदेशों के भी जुआड़ी जुआ खेलने पहुंच रहे थे। बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत शिवप्रसाद नगर के पेट्रोल पम्प के यह जुआ फड़ संचालित हो रहा था वहीं 3 और 4 फरवरी की रात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल,सहित सूरजपुर कोतवाली थाना प्रभारी विमलेश दुबे, विश्रामपुर थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा के नेतृत्व में जब पुलिस दल जुआ फड़ पर छापा मारने पहुंचा तो एक साथ 42 जुआड़ी पुलिस दल के हत्थे चढ़ गए। जुआड़ी जो स्थानीय पुलिस के भरोसे निश्चिंत होकर हार जीत का बड़ा बड़ा दांव लगा रहे थे उनसे एक ही बार में पुलिस ने 6 लाख 51 हजार रुपए जब्त कर लिए। जुआड़ीयों से 42 नग मोबाइल फोन साथ ही 3 नग कार वहीं 8 सेट तशपत्ती जब्त किया गया। जिनके विरुद्ध अपराध क्रमांक 84/24 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 5 तहत कार्यवाही किया गया।

मिलीजानकारी के अनुसार 3-4 फरवरी 2024 की दरम्यिनी रात्रि में थाना सूरजपुर को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम शिवप्रसादनगर स्थित पेट्रोल पम्प के पास कुछ जुआड़ी हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। इस सूचना से पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला को अवगत कराने पर उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल के नेतृत्व में थाना सूरजपुर व विश्रामपुर की पुलिस टीम गठित कर कार्यवाही के लिए रवाना किया। पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम शिवप्रसादनगर स्थित पेट्रोल पम्प के पास घेराबंदी कर 42 जुआड़ियों को हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस की इस कार्यवाही में अंतरजिला के जुआड़ियों को पकड़ने में सफलता हाथ लगी है। कार्यवाही प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालिब शेख, जयप्रकाश तिवारी, राहुल गुप्ता,आरक्षक लक्ष्मी नारायण मिर्रे,अखिलेश पाण्डेय, प्रमोद सिंह, समेश्वर, संजीव राजवाड़े व शैलेन्द्र सिंह सक्रिय रहे।

खबरों पर संज्ञान लेकर पुलिस कप्तान ने जाहिर किया,अपराध से जुड़ी खबरें सच के करीब होती हैं...

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने घटती-घटना की खबर पर संज्ञान लेकर शिवप्रसाद नगर के अंतरराज्जीय जुआ फड़ पर कार्यवाही करवाई हुई और बड़ी एक सफलता उनके हांथ लगी। पुलिस अधिक्षक ने अखबार के माध्यम से यह जाना की कैसे पुलिस के संरक्षण में जुआ फड़ संचालित है जिसके बाद उन्होंने जुआ फड़ पर कार्यवाही के दौरान स्थानीय पुलिस को कार्यवाही की भनक भी नहीं लगने दी और बड़ी कार्यवाही संभव हुई। कहा जा सकता है की अखबार में यदि किसी अपराध से संबंधित कोई खबर प्रकाशित की जाती है पुलिस के संज्ञान में मामले को लाने के लिए प्रकाशन होता है साथ ही वह सत्य खबर होता है और जिसका परिणाम सामने है शिवप्रसाद नगर जुआ फड़ पर जब्त की गई रकम और साथ ही 42 जुआड़ी।

क्या कोरिया में गुटबाजी के जन्मदाता भाजपा जिलाध्यक्ष तलाश रहे कोरबा लोकसभा से टिकट ?

जिलाध्यक्ष को हटाने की मांग भी शुरू

कोरिया जिला भाजपा जिलाध्यक्ष की कार्यशैली से वरिष्ठ नेता समेत कार्यकर्ता भी त्रस्त हैं गुटबाजी इस कदर हावी है कि जो चरण वंदन करेगा उसे पद दिया जाएगा और जो थोड़ा भी जिलाध्यक्ष के संपर्क से दूर हुआ उसे दरकिनार कर दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष के मन मुताबिक ही पार्टी में काम करना पड़ेगा वरना पद से भी हाथ धोना पड़ेगा या सार्वजनिक बेईज्जती का शिकार होना पड़ेगा इस प्रकार का हाल इन दिनों कोरिया भाजपा में हो चुका है,गिनती के चार पांच लोग ही पाटी में प्रमुख चेहरा बने हुए हैं बाकी नेता और कार्यकर्ता सिर्फ बैठको मे भीड़ लिए बुलाये जा रहे हैं। पार्टी में समन्वय का जबरजस्त अभाव है। नाराजगी इस कदर हावी है कि एक वरिष्ठ नेता ने राजधानी रायपुर मे संगठन पदाधिकारियों से मिलकर जिलाध्यक्ष की कार्यशैली से भी अवगत कराकर जिलाध्यक्ष हटाने की मुहिम शुरू कर दी है उक्त नेता ने बतलाया कि यदि जिलाध्यक्ष को अब नही बदला गया तो फिर पार्टी में भारी गुटबाजी हो जाएगी जिसका खामियाजा पार्टी को ही भुगतना पड़ेगा।

दबाव बनवाकर लिखवाया गया समर्थन पत्र

टिकट का ख्वाब देख रहे कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के द्वारा हमेशा संगठन की माला जपी जाती है,और हर कार्य का श्रेय खुद लेने में उन्हे महारथ हासिल है। कोरिया जिले के विभाजन के बाद उन्हे पद का घमंड और ज्यादा हो गया है साथ ही प्रदेश में सत्ता आने के बाद उसका नशा इस कदर हावी है कि वे हर किसी को धमकाते फिर रहे हैं,ना सीधे मुंह किसी से बात करना और ना ही किसी के मान सम्मान का ख्याल रखना जिलाध्यक्ष के आदत में शुमार हो गया है। इस बारे में सूत्रों का कहना है कि जिलाध्यक्ष इस बार कोरबा लोकसभा से टिकट का ख्वाब देख रहे हैं और इसलिए वे कोरिया जिले के विभिन्न मंडल अध्यक्षों समेत मोर्चा,प्रकोष्ठ के अध्यक्ष से भी खुद के लिए समर्थन पत्र लिखवाकर संगठन में भेजे हैं यह अलग बात है कि दबाव वश समर्थन पत्र लिखने वाले पदाधिकारी भी उन्हे टिकट ना मिलने की बात कह रहे हैं।

विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठों से खुद के लिए समर्थन पत्र लिखवाकर भेजा गया:सूत्र

शायद इसलिए विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के बहाने पोस्टर बैनर में खुद का प्रचार कर रहे थे जिलाध्यक्ष

-रवि सिंह-
कोरिया,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

ना तो जनता से रिश्ता ना ही पार्टी कार्यकर्ताओं का मान सम्मान,वरिष्ठ नेताओं से भी अच्छे संबंध नही, मैं, मैं और सिर्फ मैं करने और पार्टी में जबरजस्त गुटबाजी के जन्मदाता भाजपा के कोरिया जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल अब कोरबा लोकसभा से टिकट का ख्वाब देख रहे हैं, इस बात की चर्चा पार्टी में ही चल रही है,लोग उनके ख्वाब को मजाक भी समझ रहे हैं उनका कहना है कि यदि ऐसे व्यक्ति को टिकट संयोगवश मिल भी जाता है तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और कुछ नही हो सकता हलांकि उन्हे टिकट मिले इसकी संभावना 1 प्रतिशत भी नही है फिर भी उनका प्रयास भीतरखाने से जारी है। हाल यह हो गया है कि कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी को प्रायवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चला रहे हैं, जिलाध्यक्ष समेत उनके पुत्रों पर सत्ता का नशा सर चढ कर बोल रहा है,पार्टी के वरिष्ठ नेता दरकिनार हो रहे हैं,नये नवेले और चरण वंदन करने वाले कार्यकर्ताओं की पूछ परख बढ गई है,ऐसे में

जिलाध्यक्ष के प्रति अंदर ही अंदर आक्रोश पनप रहा है। पार्टी कई गुटों में भी बंटी नजर आने लगी है।

विधानसभा चुनाव में खुद का प्रचार कर रहे थे जिलाध्यक्ष

भाजपा कोरिया के जिलाध्यक्ष की कार्यशैली एकदम विवादित किस्म की है पार्टी की बैठको में भी वे कार्यकर्ताओं को भला बुरा कहने से नही चुकते यहां तक कि यदि कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता उनके बिना पूछे रायपुर जाकर किसी मंत्री नेता से भी मिल लेता है तो उसके खिलाफ जिलाध्यक्ष उल जलूल बात कर बैठकों में भी सुनाने से पीछे नही हटते। बतलाया जाता है कि बीते विधानसभा चुनाव में वे प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के साथ खुद की फोटो लगवाने में भी दिलचस्पी दिखला रहे थे इसी बहाने वे खुद का प्रचार कर रहे थे अब लोकसभा चुनाव वे लड़ना चाहते हैं ऐसे में पार्टी के ही लोगो का कहना है कि वे इसी तैयारी में अपना फोटो दबाव बनवाकर लगवाते थे।

प्रायवेट लिमिटेड कंपनी बनी भाजपा

संगठन के बल पर चलने वाली पार्टी भाजपा कोरिया जिले में एक प्रायवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम कर रही है,देखने में मिल रहा है कि पार्टी में पिता पुत्र हावी हैं परिवारवाद करके पार्टी का संचालन किया जा रहा है। हर बैठको एवं अन्य कार्यक्रम में पिता पुत्र का इतना हस्तक्षेप एवं दबाव रहता है कि अब लोग इससे त्रस्त हो चुके हैं। पिछले दिनो भाजयुमो द्वारा बैकुंठपुर में एक कार्यक्रम भी कराया गया था जिसमें भी जिलाध्यक्ष के पुत्र द्वारा विवाद की स्थिति निर्मित की जा रही थी ऐसा सूत्रों का कहना है। भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा अपने पुत्र को भाजयुमो का जिला महामंत्री बनवाया गया है और पुत्र द्वारा भाजयुमो का संचालन भी अपने मन मुताबिक कराया जा रहा है जिससे युवा कार्यकर्ता भी परेशान है।

वरिष्ठ नेता हो रहे उपेक्षित,नये कार्यकर्ताओं की पूछ परख बढी

कोरिया भाजपा में अब विधानसभा चुनाव बीतने के बाद गुटबाजी और ज्यादा बढ गई है,प्रशासन को अपने कब्जे में करने के फिराक में जिलाध्यक्ष कोई पैतरा नही छोड़ना चाह रहे हैं,आलम यह हो गया है कि पार्टी के लिए वर्षो से काम कर रहे वरिष्ठ नेता अब उपेक्षित होने लगे हैं उनकी पूछ परख खत्म हो गई है। नये नये और कभी ना दिखने वाले कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। प्रशासनिक कार्यक्रम में भी नये नये लोग मंच पर नजर आने लगे हैं जिनकी ना तो कोई राजनैतिक छवि है और ना ही सामाजिक छवि ऐसे लोग खुद को पार्टी का बड़ा नेता बतलाकर गुटबाजी का साथ दे रहे हैं।

वरिष्ठ नेता दिख रहे दरकिनार,भीतर ही भीतर उपज रहा आक्रोश

झुमका जल महोत्सव में भी उपेक्षित हुए वरिष्ठ नेता

प्रशासन द्वारा बीते 1 और 2 फरवरी को झुमका जल महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें 1 फरवरी को मुख्यमंत्री के आगमन पर हेलीपेड में उनके स्वागत,मंच पर बैठक एवं भोजन के लिए सूची बनाई गई थी,घटती घटना को प्राप्त उक्त सूची देखकर यह कहा जा सकता है कि कोरिया में पार्टी इन दिनों भारी गुटबाजी से जुझ रही है,कई वरिष्ठ नेता इस कदर दरकिनार हैं कि वे मंच तो दूर मुख्यमंत्री के पास भी नही फटक पा रहे हैं और उन्हे कार्यक्रम में दूर बैठे देखा गया, आम कार्यकर्ताओ के साथ ऐसे कई नेता मंच से दूर देखे गए जो कभी कार्यक्रम की शान हुआ करते थे लेकिन जिलाध्यक्ष द्वारा ऐसे वरिष्ठ लोगो की उपेक्षा की जा रही है जो कि कही से सही नही है। सूत्रो का कहना है कि जो कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष को पसंद नही है या जो उनका चरण वंदन नही करता उसके खिलाफ वे सार्वजनिक जगहों पर भी खुलेआम गाली गलौज कर उसे नीचा दिखलाने की कोशिश करते रहते हैं जिससे कि जिलाध्यक्ष के प्रति नाराजगी दिखलाई दे रही है।

जिला चिकित्सालय अंबिकापुर के द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से कबाड़ की गई नीलामी,स्वास्थ्य मंत्री से हुई शिकायत

जिला चिकित्सालय अधीक्षक की दिखाई मनमानी कबाड़ नीलामी के टेंडर निरस्त करने की शिकायत के बावजूद भी नहीं किया निरस्त और कर दी बिक्री

कबाड़ नीलामी की निविदा में नहीं हुआ नियम का पालन नियम विरोध तरीके से सेटिंग के तहत कबाड़ की हुई नीलामी, भाजपा झुग्गी झोपड़ी के प्रकोष्ठ ने किया शिकायत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक राजमाता श्रीमती देवती कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय संबंधित चिकित्सालय अंबिकापुर के द्वारा चिकित्सालय में पड़े मशीनरी व पुराने उपकरण जो उपयोग विहीन है उसके विक्रय के लिए निविदा निकाली गई थी,जिसकी निविदा का सही तरीके से पालन नहीं किया गया और नियम विरुद्ध तरीके से पुरानी मशीनरी व उपकरण के कबाड़ को बेच दिया गया,कबाड़ को बेचने में निविदा का पालन सही तरीके से नहीं किया गया, जिस की शिकायत भाजपा के एक नेता के द्वारा करते हुआ निविदा को निरस्त करने की मांग की गई थी पर निविदा को बिना निरस्त किए कुछ दिन बाद चोरी-चुपके उपकरण वाले कबाड़ को

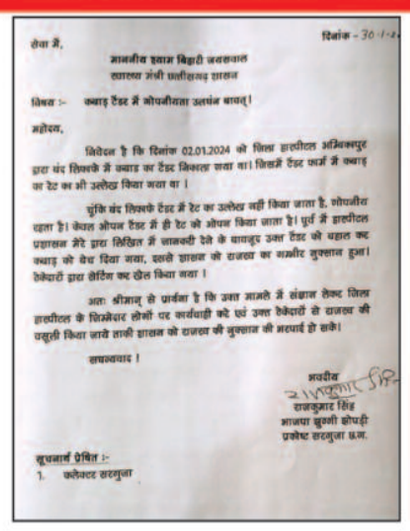

सेवा में,
माननीय श्याम बिहारी जायसवाल
स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

विषय :- कबाड़ टेंडर में गोपनीयता उल्लंघन बाबत्!

महोदय,

विदित है कि दिनांक 02.01.2024 को जिला हास्पीटल अम्बिकापुर द्वारा बंद लिफाफे में कबाड़ का टेंडर निकाला गया था। जिसमें टेंडर फार्म में कबाड़ का रेट का भी उल्लेख किया गया था।

चूंकि बंद लिफाफे टेंडर में रेट का उल्लेख नहीं किया जाता है, ओपनीय रहता है। केवल ओपन टेंडर में ही रेट को ओपन किया जाता है। पूर्व में हास्पीटल प्रशासन मेरे द्वारा लिखित में जानकारी देने के बावजूद उक्त टेंडर को बहाल कर कबाड़ को बेच दिया गया, इससे शासन को राजस्व का गम्भीर नुकसान हुआ। ठेकेदारों द्वारा सेटिंग कर खेल किया गया।

अतः श्रीमान् से प्रार्थना है कि उक्त मामले में संज्ञान लेकर जिला हास्पीटल के जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही करें एवं उक्त ठेकेदारों से राजस्व की वसूली किया जावे ताकी शासन को राजस्व की नुकसान की भरपाई हो सके।

धन्यवाद।

भवदीय
राजकुमार सिंह
भाजपा झुग्गी झोपड़ी
प्रकोष्ठ सरगुजा छ.ग.

सूचनार्थ प्रेषित :-
1. कलेक्टर सरगुजा

आवेदक राजकुमार सिंह

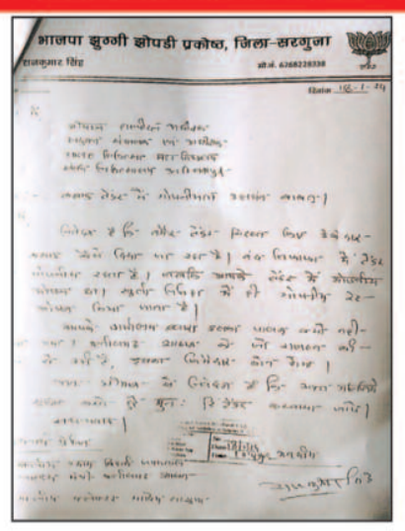

भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, जिला-सरगुजा
राजकुमार सिंह

अपने चाहते ठेकेदार को बेच दिया गया।

इस संबंध में शिकायतकर्ता राजकुमार सिंह बीजेपी झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ सरगुजा ने इस निविदा के विरुद्ध कबाड़ टेंडर में गोपनीयता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से करते हुए कहा विगत दिनों जिला हास्पीटल द्वारा बंद लिफाफे में कबाड का टेंडर निकाला गया था। जिस टेंडर में फार्म में कवाड का रेट का भी उल्लेख किया गया था। चुकि बंद लिफाफे टेंडर में रेट का उल्लेख नही किया जाता है। केवल ओपन टेंडर में ही रेट को ओपन किया जाता है। पूर्व में हास्पीटल प्रशासन को लिखित जानकारी मेरे द्वारा देने के बावजूद टेंडर को बहाल कर कबाड की नीलामी किया गया है। इससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है, ठेकेदार द्वारा सेटिंग कर खेल किया जा रहा, जिससे निविदा का सही तरीके से पालन नहीं हुआ और नियम विरुद्ध तरीके से ठेकेदार को संस्था की सामग्री बेच दी गई, जिस वजह से संस्था को राजस्व का बड़ी हानि हुई है। इस मामले में संज्ञान लेकर जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही कर राजस्व की वसूली की जाने की भी मांग की गई है।

निविदा में गंभीर त्रुटियां

शिकायतकर्ता के अनुसार उपयुक्त अपलेखन टेंडर में कुछ गंभीर त्रुटियां हैं,त्रुटियों पर नजर डाले तो यह कि सारे ठेकेदार स्थानीय है,सेटिग से शासन को राजस्व की हानि पहुंचाना इनका काम है,जब टेंडर रेट गोपनीय होते है, तो फिर आपने न्यूनतम दर अपलेखन सामग्री का फॉर्म में कैसे छपवा दिया? यदि त्रुटि से छपवाया गया है तो उसे निरस्त क्यों नहीं किया गया? इस निविदा को इस मामले में निरस्त करना चाहिए था, जबकि लोहे का बाजार दर 30 रूपए किलो का है फिर 10 रूपए प्रति किलो के दर रखकर कैसे बेच दिया गया?.. क्या इससे राजस्व को नुकसान नहीं हुआ?

ठेकेदारों ने 15 करोड़ के बची भुगतान के लिए लगाई गुहार

-संवाददाता-
कोरबा,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश भर के स्कूल भवनों की जर्जर हालत को सुधारने के लिए अरबों रूपए जारी किये थे। कोरबा जिले में भी जिला शिक्षा अधिकारी, आदिवासी विकास विभाग एवं नगरीय निकायों के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में भी मरम्मत कार्य के तहत निविदा निकाली गई थी, वर्क आर्डर भी ठेकेदारों को दिए गए और आरईएस, नगर निगम एवं आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत ठेकेदारों ने आठ माह पूर्व ऑर्डर के आधार पर दिए गए कार्य को भी पूर्ण कर लिया, लेकिन आज उपरांत लिए गए कार्य के 15 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं हो पाया है।

पूर्व जिला शिक्षाधिकारी ने भुगतान न होने के संबंध में जानकारी देते हुए कहा था कि यूसीसी के कारण भुगतान रूका हुआ है,जल्द ही ठेकेदारों को भुगतान हो जाएगा और विभाग संबंधित तकनीकी विभागों को राशि जारी कर देगा, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी ठेकेदार परेशान हैं। सबसे ज्यादा ठेकेदार ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा के हैं और भुगतान न होने के कारण ऐसे ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। आरईस द्वारा मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के कार्य करने के पश्चात भी भुगतान रोक दिया गया है, जिसके कारण ठेकेदारों के बीच आक्रोश व्याप्त हैं। ठेकेदारों ने शीघ्र भुगतान के लिए कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपा और जानकारी देते हुए कहा की उनके कार्य का सीसी भी जारी हो गया है, लेकिन अधिकारी इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जबकि कलेक्टर अजीत वसंत ने भी निर्देश दिया है कि सीसी जारी होने के बाद अधिकारी जल्द से जल्द किए गए कार्यो का भुगतान करें।

1320 मेगावाट प्लांट के विस्तार होने से गरीबों को सताने लगा आशियाना खोने का भय

-संवाददाता-
कोरबा 04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिले के पश्चिम क्षेत्र दर्री में सीएसईबी प्लांट की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए विस्तार करते हुए संयंत्र परिसर के आसपास 1320 मेगावाट पावर प्लांट की नई परियोजना स्थापित की जाएगी, जिसके लिए 30 जनवरी मंगलवार को लाल मैदान में जनसुनवाई पूरी हुई। संयंत्र के लिए ब्लू प्रिंट तैयार हो चुका है,एवं मैदानी स्तर पर सर्वे भी शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है के संयंत्र के लिए दर्री थाना के सामने स्थित सिंचाई कालोनी की जमीन को अधिग्रहण की जाएगी इसलिए यहां निवासरत दो सौ परिवार के बीच हड़कंप मच गया है । आपको बता दें सिंचाई विभाग की जिस जमीन पर सैकड़ों परिवारों ने बेजा कब्जा कर मकान बनाकर दशकों से काबिज है उसे नई परियोजना के लिए अधिग्रहित किया जाना है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने ऐसे सभी निवासरत परिवारों को इस संबंध में जानकारी देते हुए स्पष्ट तौर पर यहां से दूसरे स्थानों पर जाने की व्यवस्था जल्द करने का निर्देश दे दिया है। अधिकारियों के निर्देश मिलने से आशियाना टूटने की संभावना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मकान उजड़ने की खबर से घबराए लोगों ने शनिवार को उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन से मिलकर अपनी व्यथा सुनाने उनके निवास स्थान कोहड़िया पहुंचकर उनसे मुलाकात की और कालोनी में बने मकानों को टूटने से बचाने की गुहार लगाई है।

मंत्री श्री देवांगन से गुहार लगाने पहुंची महिला निशा बाल्मिकी ने बताया कि उनके जीवन के चार दशक सिंचाई कालोनी में ही गुजर गया, अब बच्चे भी बड़े हो गए हैं। अब उन्ही मकानों को तोड़े जाने की एकाएक मिली सूचना से परिवार भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं । इस संबंध में सुनीति साहू ने बताया कि कई दशक से हम लोग यहां मकान बनाकर निवासरत हैं, इस बीच सिंचाई विभाग ने जमीन की तरफ देखा तक नहीं, सभी लोगों ने लाखों रुपए खर्च कर अपना अपना मकान बनाये हैं। इन मकानों के टूट जाने से कैसे गुजर बसर करेंगे । बता दें की जिस जमीन को लेकर लोगों में अपने आशियाना टूटने का भाई सताने लगा है वह सीएसईबी दर्री प्लांट के जमीन से लगकर दर्री थाना के आसपास सिंचाई विभाग की जमीन है। पूर्व में थाना के सामने हिस्से में सिंचाई विभाग का लेबर हॉट कालोनी था। वर्ष करीब चार दशक पहले उक्त कालोनी के दर्जनों मकान खाली पड़ी थी और मकान खंडहर जैसे होने लगे थे। तब लोगों ने अनाधिकृत रूप से उन मकानों में रहना शुरू किया। देखते ही देखते चार दशक में आसपास सैकड़ों मकान भी बन गए। अब लेबर हॉट कालोनी बड़ी बस्ती बन चुकी है। हालांकि अब भी कालोनी के कुछ हिस्से के मकानों में अब भी सिंचाई विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी निवासरत है । बताया जा रहा है के बिजली उत्पादन कंपनी के 1320 मेगावाट प्लांट के लिए प्लांट के पुराने रेलवे लाइन के पास ब्रिज से लेकर दर्री थाना के सामने बाजार तक की जमीन अधिग्रहित होगी। उक्त जमीन पर वर्तमान में सिंचाई विभाग के 79 मकान है। जिसमें से अधिकांश में विभागीय अधिकारी कर्मचारी निवासरत है। उनके बसाहट के लिए कंपनी पहले फ्लैट सिस्टम से 100 से अधिक मकान बनाकर देगी। जिसमें आधे मकान दर्री थाना के आसपास सिंचाई विभाग की खाली जमीन पर और आधे मकान शहर रामपुर में रिक्त विभाग की जमीन पर बनाए जाएंगे वहीं विभागीय जमीन पर बेजाकब्जा करने वाले निवासरत परिवारों को बसाहट का लाभ नहीं मिलेगा। सिंचाई विभाग ने अपने कर्मचारियों के लिए ही फ्लैट सिस्टम से मकान बनाने की बात कही है। विभागीय जमीन पर बेजाकब्जा कर बनाकर वर्षों से निवासरत परिवारों की गारंटी नहीं ली है। इस फैसले ने करीब दो सौ परिवारों कठिनाई परिस्थिति में डाल दिया है कि एकाएक उनके मकान उजड़ने की स्थिति में वे कहां जाएं और क्या करें । इस संबंध में सिंचाई विभाग के एसडीओ एस.एन. साय ने बताया कि दर्री क्षेत्र में संयंत्र के समीप सिंचाई विभाग की जमीन है, जिसे बिजली उत्पादन कंपनी अपनी नई परियोजना के लिए अधिग्रहित करेगी। यहां कालोनी में मौजूद विभागीय मकानों के बदले सिंचाई विभाग की अन्य खाली पड़ी जमीन पर फ्लैट सिस्टम से मकान बनाकर देगी। विभाग की जमीन पर बेजा कब्जा कर निवास करने वाले लोगों को जमीन अधिग्रहण के संबंध में सूचना दे गई है। उन्हें अपनी व्यवस्था स्वयं करनी होगी, सिंचाई विभाग ने उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं ली है ।

ई.व्ही.एम. एवं व्ही.व्ही.पैट मशीनों का फर्स्ट लेवल चेकिंग के संबंध में राजनीतिक दलों की बैठक हुई सम्पन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रोहित व्यास की अध्यक्षता में ई.व्ही.एम. व व्ही.व्ही. पैट मशीनों का फर्स्ट लेवल चेकिंग के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला पदाधिकारी, प्रतिनिधियों की बैठक ली गई। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोक सभा निर्वाचन 2024, सूरजपुर जिले में उपयोग हेतु ई.व्ही.एम. व व्ही.व्ही. पैट मशीनों का प्रथम स्तरीय जाँच 05 फरवरी से 14 फरवरी 2024 तक सम्पन्न किया जाना है। प्रथम स्तरीय जांच का कार्य अवकाश के दिनों में भी किया जाना है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र हेतु ई.व्ही.एम. व व्ही.व्ही. पैट मशीनों के प्रथम स्तरीय जाँच संयुक्त जिला कार्यालय परिसर स्थित ई.व्ही.एम. व व्ही.व्ही. पैट वेयर हाउस में ईसीआईएल हैदराबाद के इंजीनियर के द्वारा सर्व मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के उपस्थिति में किया जाना है। ई.व्ही.एम. व व्ही.व्ही. पैट मशीनों के प्रथम स्तरीय जाँच सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। ई.व्ही.एम. व व्ही.व्ही. पैट मशीनों के प्रथम स्तरीय जाँच हेतु आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था रहेगी जिसमें वेयरहाउस प्रवेश करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ईयर फोन सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस) पूर्णतः वर्जित है। आयोग के निर्देशानुसार एफएलसी आके मशीनों की जांच के दौरान तलाशी व्यवस्था, एफएलसी कार्य का वेबकास्टिंग किया जाएगा, जिसका भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रायपुर (छ0ग0) के द्वारा देखा जायेगा। एफएलसी के दौरान सर्व मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के अध्यक्ष, सचिव, स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति दिये जाने हेतु निर्धारित प्रारूप में दो प्रति फोटो जमा करने एवं एफएलसी के दौरान अध्यक्ष, सचिव, स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि को उपस्थित होने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से अपने प्रतिनिधि को निर्देशित करने के लिए अनुरोध किया गया। इस दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के जिला पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने सही तरीके से ट्रैक्टर चलाने की समझाइश दी तो चालक सहित उसके साथियों ने किया हमला

-संवाददाता-
कोरबा,04 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

ट्रैक्टर चालक को समझाइश देने पर डायल 112 के जवानों के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल करा दिया है। जानकारी के अनुसार डायल 112 वाहन में आरक्षक हरमेश खुटे व चालक देवेंद्र कुमार रात्रे इवेन्ट पूर्ण कर वापस लौट रहे थे कि बगदर-चिचोली मार्ग में ट्रैक्टर के ड्राइवर द्वारा लहराकर गाड़ी चलाने एवं साइड देने के बात पर ट्रैक्टर को रोककर उसके ड्राइवर प्रफुल्ल अनंत को समझाईश दी जा रही थी। इस दौरान प्रफुल्ल अपने भाई प्रज्वलित अनंत को मोबाइल कर मौके पर बुला लिया। प्रज्वलित अनंत जानबूझकर ऑन ड्यूटी पुलिस आरक्षक को वर्दी पहन कर दादा बन गए हो कहकर झूमा झटकी करने लगा। प्रफुल्ल अनंत और साथी जितेन्द्र भारद्वाज गाली-गलौज करते हुए डंडे से आरक्षक व चालक से

मारपीट करने लगे। प्रज्वलित अनंत पत्थर से वार कर दिया जिससे हरमेश खुटे गंभीर रूप से घायल हो गया और आरोपी फरार हो गए।

घटना में प्रार्थी देवेन्द्र रात्रे की रिपोर्ट पर थाना उरगा में आरोपी प्रज्वलीत अनंत, महेश कंवर व अमित यादव के विरूध्द धारा 186, 294,332,353,506,34 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि घटना दिनांक को बगदर नदी से रेत निकालने के लिये रसौट, सक्तीगुड़ी, पड़रिया, बोकरामुड़ा क्षेत्र के लोग गये थे, जिसमें जितेन्द्र भारद्वाज, चारपारा का अदित्य पटेल, पड़रिया का लक्ष्मण पटेल और बलौदा का अमित यादव व अन्य सात आठ ट्रेक्टर वाले शामिल थे। इनके द्वारा जानकारी मिली कि जितेन्द्र भारद्वाज, प्रफुल्ल व प्रज्वलीत अनंत द्वारा ही पुलिस वालों से मारपीट किया गया है। उपस्थित गवाहों, चश्मदीद गवाह के कथन पर आरोपी प्रज्वलीत अनंत, प्रफुल्ल अनंत व जितेन्द्र भारद्वाज के द्वारा ही आहत आरक्षक हरमेश खुंटे से मारपीट करना पूर्णतः स्पष्ट होने से एफआईआर से आरोपी महेश कंवर व अमित यादव का नाम पृथक कर आरोपी प्रफुल्ल अनंत व आरोपी जितेन्द्र भारद्वाज का नाम जोड़ा गया। आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर घटना में प्रयुक्त पत्थर, मोटरसायकल, गेड़ा (डंडा) व ट्रैक्टर बरामद कराकर जप्त कराया। आरोपियों प्रज्वलीत अनंत पिता विद्याशंकर 28 वर्ष निवासी रसोटा थाना बलौदा, प्रफुल्ल अनंत पिता विद्याशंकर 26 वर्ष व जितेन्द्र भारद्वाज पिता फेंकूराम 23 वर्ष ग्राम बोकरामुड़ा थाना बलौदा को जेल दाखिल करा दिया गया।

संक्षिप्त खेल समाचार

एस्टन विला ने शेफील्ड यूनाइटेड को 5-0 से रौंदा

साउथ यॉर्कशायर,04 फरवरी 2024। प्रीमियर लीग में जीत की राह पर लौटते हुए एस्टन विला ने ब्रैमल लेन में शेफील्ड यूनाइटेड को 5-0 से हरा दिया। विला ने शीर्ष चार में वापस की है और टोटेनहम हॉटस्पर से दो अंक आगे है। जबकि हार ने शेफील्ड यूनाइटेड को 10 अंकों के साथ पीछे छोड़ दिया और अंक तालिका में सबसे नीचे है।
पहले हाफ के 18 मिनट में चार गोल ने मैच में एस्टन का दबदबा बनाए रखा, जिसकी शुरुआत जॉन मैकगिन के 12वें मिनट के ओपनर से की। ओली वॉटकिंस के ड्रिल्ड शॉट और लियोन बेली के बाएं पैर के कर्लर ने 20 मिनट के बाद विला को 3-0 से आगे कर दिया, जिसमें यूरी टायलेमैन्स ने चौथे नंबर पर गोल किया।
एलेक्स मोरेनो की जोरदार वॉली ने दूसरे हाफ में दो मिनट बाद पांचवें गोल से विला को 2024 की पहली लीग जीत दिला दी। यह शानदार जीत 1994 के बाद से शीर्ष स्तर पर यूनाइटेड के खिलाफ क्लब की पहली जीत भी थी।

अर्जेंटीना के विंगर लुका ओरेलानो सिनसिनाटी में होंगे शामिल

रियो डी जेनेरो,04 फरवरी 2024। ब्राजील में मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वास्को डी गामा ने अर्जेंटीना के विंगर लुका ओरेलानो को सिनसिनाटी एफसी को लोन देने के लिए एक समझौता किया है।
शिन्हुआ ने लांस के हवाले से बताया कि 23 वर्षीय खिलाड़ी दिसंबर तक सिनसिनाटी से जुड़ा रहेगा, जबकि मेजर लीग सॉकर क्लब के पास ऋण समाप्त होने पर समझौते को स्थायी बनाने का विकल्प होगा। इसमें कहा गया है कि सिनसिनाटी ने अर्जेंटीना के कई क्लबों की ओरेलानो में रुचि को कम कर दिया है। पिछले जनवरी में तीन साल के अनुबंध पर वेलेज़ सार्सफ़ील्ड से वास्को में शामिल होने के बाद से ओरेलानो ने केवल 25 मैच खेले हैं और दो गोल किए हैं। सिनसिनाटी अपने 2024 एमएलएस अभियान की शुरुआत 25 फरवरी को टोरंटो के खिलाफ एक घरेलू मैच के साथ करेगा।

शॉन एबॉट के प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने जीती सीरीज

दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 83 रन से हराया

नई दिल्ली,04 फरवरी 2024। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार,4 फरवरी को वेस्टइंडीज को हराकर तीन मैंच की वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। दूसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 83 रन से हराया। अनुभवी ऑलराउंडर शॉन एबॉट ने बल्ले और गेंद दोनों में दमदार प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 258 रन बनाए। वेस्टइंडीज 175 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और दोनों टीमों ने शुरुआती मैच से अपनी प्लेइंग इलेवन में दो-दो बदलाव किए। जेक फ्रेंजर मैकगर्क और विल सदरलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना वनडे डेब्यू किया। वहीं, अल्जारी जोसेफ और केजर्न ओटले कैरेबियाई टीमे में शामिल किए गए।

गुडाकेश मोती ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को झकझोरा

फ्रेजर-मैकगर्क ने पहले ही ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाकर अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन पांचवीं गेंद पर अल्जारी जोसेफ ने आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने नई गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया और जोश इंगलिस और स्टीव स्मिथ के महत्वपूर्ण विकेट निकले।

शॉन एबॉट ने खेली तूफानी पारी

ऑस्ट्रेलिया ने 91 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। 200 तक पहुंचते-पहुंचते 8 विकेट गिर गए थे। 8वें नंबर बल्लेबाजी करने आए शॉन एबॉट ने 63 गेंद पर 69 रन की पारी खेली और मैथ्यू शॉर्ट ने 41 रन का योगदान दिया। इन दोनों की पारी की बदौलत कंगारू टीम ने 250 का स्कोर बनाया। गुडाकेश मोती ने तीन विकेट लिए।

हेजलवुड और एबॉट का सामना नहीं कर सके कैरेबियाई बल्लेबाज

259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की बेहत खराब शुरुआत की। 19 के स्कोर पर पहला विकेट गिरा। 100 का स्कोर पार करते हुए वेस्टइंडीज की आधी टीम पवेलियन में लौट चुकी थी। कीसी कार्टी ने कैरेबियाई टीम के लिए सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने 29 रन का योगदान दिया।

भारत 21 फरवरी से तुर्की महिला कप 2024 फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेगा

नयी दिल्ली,04 फरवरी 2024। भारतीय सीनियर महिला टीम 21 से 27 फरवरी तक अलान्या में तुर्की महिला कप में भाग लेगी। भारत के अलावा एस्टोनिया, कोसोवो और हांगकांग की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित किये जाने वाले इस टूर्नामेंट का हिस्सा है। टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम एक-दूसरे से एक बार भिड़ेगी और राउंड-रॉबिन चरण के अंत में तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम को विजेता घोषित किया जायेगा। भारत अपने अभियान का आगाज 21 फरवरी को एस्टोनिया के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद हांगकांग (24 फरवरी) और कोसोवो (27 फरवरी) से भिड़ेगी।भारत तीसरी बार तुर्की महिला कप (2019 और 2021 के बाद) में भाग लेगा जो फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान आयोजित किया जा रहा है। भारत की नयी मुख्य कोच लैंगम चाओबा देवी की देखरेख में 10 फरवरी से भुवनेश्वर में टीम का एक सप्ताह का शिविर लगेगा। भुवनेश्वर में शिविर के लिए भारत के 30 सदस्यीय संभावित खिलाड़ी- गोलकीपर- अंशिका, एलंगबाम पंथोई चानू, मोनालिसा देवी मोइरंगथम, श्रेया हुडा डिफेंडर- आशालता देवी लोइटोंगबम, अस्तम ओरांव, डालिमा छिब्बर, जूली किशन, ममता, रंजना चानू सोरोखैबम,शिल्की देवी हेमम मिडफील्डर- अंजू तमांग, इंदुमति काथिरेसन, काजोल डिसूजा, कार्तिका अंगमुथु, कृतिना देवी थौनाओजम,मनीषा,पवित्रा मुरुगेसन, प्रियंगका देवी नाओरेम,संगीता बासफोर फॉरवर्ड- ग्रेस डांगमेई, ज्योति, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, काव्या पक्कीरिसामी, लिंडा कोम सर्टो, नेहा, प्यारी खाखा, संध्या रंगानथन, संजू, सौम्या गुगुलोथ।

हमने रेडिंग और डिफेंस विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली,04 फरवरी 2024। तेलुगू टाइटंस के खिलाफ 44-33 से जीत दर्ज करने के बाद दबंग दिल्ली केसी जीत की राह पर लौट आई है और उनके कोच रामबीर सिंह खोखर ने कहा कि उन्होंने रेडिंग और डिफेंस विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे टीम जीत की ओर बढ़ी। .

जीत के बारे में बात करते हुए, खोखर ने कहा जब कोई टीम ऑल आउट हो जाती है और जब कोई टीम ऑल आउट नहीं होती है तो प्रदर्शन में बहुत बड़ा अंतर होता है। हमारे रक्षकों आशीष और योगेश ने उत्कृष्ट खेल खेला और पवन सहरावत जैसे रेडर को रोका। और मंजीत और आशु मलिक ने रेडिंग विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया।उन्होंने कहा, बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ हार झेलना मुश्किल था। हालांकि, हमारी टीम ने तेलुगु टाइटंस के खिलाफ संपूर्ण प्रदर्शन किया। हमने रेडिंग और डिफेंस विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। दिल्ली के कप्तान आशु मलिक ने मैच में 20 रेड अंक बनाए। जब रेडर मंजीत से आशु के साथ खेलने के बारे में पूछा गया, तो मंजीत ने कहा आशु वास्तव में एक अच्छा रेडर है और वह हम सभी को मैट पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है। हम सभी यथासंभव उसका समर्थन करना चाहते हैं। हम निश्चित रूप से तैयार हैं। यदि आशु का मैट पर ख़राब दिन हो तो हम टीम के लिए आगे आने को तैयार हैं। दबंग दिल्ली का अगला मुकाबला सोमवार को दिल्ली में पुनेरी पलटन से होगा।

यशस्वी पहुंचे गावस्कर और कांबली की कतार में,जसप्रीत बुमराह ने बनाया रिकार्ड

विशाखापत्तनम,04 फरवरी 2024। भारत और इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में आज कई रिकार्ड बने। ये रिकार्ड यशस्वी जायसवाल के बल्ले और जसप्रीत बुमराह की गेंद से बने। जायसवाल सुनील गावस्कर और विनोद कांबली के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बन गए। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 22 साल और 77 दिन की उम्र में जयसवाल ने 277 गेंदों में अपनी उपलब्धि पूरी की। जायसवाल सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (नवंबर 2019) के बाद खेल के सबसे लंबे प्रारूप में दोहरे शतक का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय बन गए। युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज, जो अपनी आक्रामक खेल शैली के लिए जाने जाते हैं, ने अंग्रेज गेंदबाजों द्वारा पेश की गई चुनौतियों का सामना करते हुए आक्रमण, कौशल और संयम का एक उल्लेखनीय मिश्रण दिखाया। जायसवाल की पारी भारतीय टीम के लिए आशा की किरण बन गई, खासकर जब विपरीत छोर पर नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। न केवल जायसवाल दोहरे शतक के प्रतिष्ठित मील के पत्थर तक पहुंचे, बल्कि वह 2008 में गौतम गंभीर के बाद टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज भी बन गए। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 206 रन बनाए थे और अब जायसवाल भी उतनी ही उल्लेखनीय पारी के साथ उनके नक्शेकदम पर चलते हैं। 200 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 277 गेंदें खेलकर,जायसवाल की पारी ने न केवल उनके आक्रामक स्वभाव का प्रदर्शन किया, बल्कि स्थिति की मांग होने पर धैर्य के साथ अपनी आक्रामकता को कम करने की उनकी क्षमता भी प्रदर्शित की। पूर्व बल्लेबाज, विनोद कांबली दोहरा शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने हुए हैं, उन्होंने 1993 में वानखेड़े में इंग्लैंड के खिलाफ 21 साल और 32 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम उम्र में दोहरे शतक लगाने वाले जावेद मियांदाद हैं, जिन्होंने 19 साल 140 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

दिव्यांश सिंह पंवार ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

सोनम मस्कर ने जीता रजत पदक

कायरो,04 फरवरी 2024। आइएसएसफ विश्व कप में पदार्पण कर रही युवा निशानेबाज सोनम मस्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।फाइनल में सोनम ने 252.1 अंक अर्जित किए और जर्मनी की एना जानसेन के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। स्पर्धा का कांस्य पदक पोलैंड की एनेता स्टाकिविज ने जीता। इससे पहले, दिग्विजय सिंह पंवार ने विश्व रिकार्ड के साथ पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

साई सुदर्शन के शतक के बाद शम्स मुलानी ने खोला पंजा

इंग्लैंड लायंस को इंडिया ए से मिली करारी हार

अहमदाबाद,04 फरवरी 2024। इंडिया ए ने अपने स्पिनरों के दमदार प्रदर्शन से रविवार को तीसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड लायंस पर 134 रन की शानदार जीत दर्ज की। इंग्लैंड लायंस की टीम 403 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 268 रन पर सिमट गयी जिससे इंडिया ए ने तीन मैच की सीरीज 2-0 से अपने नाम की। मुंबई के बायें हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी (60 रन देकर पांच विकेट) और मध्य प्रदेश के ऑफ स्पिनर सारांश जैन (50 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर आठ विकेट चटकाये जिससे सुबह दो विकेट पर 83 रन से खेल शुरू करने वाली इंग्लैंड की दूसरी पारी सिमट गयी।इंग्लैंड लायंस के सलामी बल्लेबाज एलेक्स लीस ने 41 रन से शुरूआत करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया और वह अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन मुलानी की गेंद पर पगबाधा आउट हो गये और उनकी 55 रन की पारी समाप्त हुई। तब इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 120 रन था। लेकिन टीम ने 20 रन के अंदर तीन और विकेट गंवा दिये जिससे उसका स्कोर सात विकेट पर 140 रन हो गया। मुलानी ने इंग्लैंड लायंस के कप्तान जोश बोहानन (18) और डैन मूस्ले (05) का विकेट हासल किया। इंग्लैंड लायंस की टीम चुनौती दिये बिना आउट होने वाली नहीं थी। विकेटकीपर बल्लेबाज ओली रॉबिन्सन (80 रन) और जेम्स कोल्स (31 रन)ने आठवें विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी निभाकर टीम को आसानी से 200 रन के पार कराया।

मुलानी ने कोल्स को पगबाधा की अपील पर आउट कर इस भागीदारी का अंत किया। जैन ने फिर रॉबिन्सन को पवेलियन भेजा और इंग्लैंड लायंस की पारी खत्म होते ही मैच जल्दी समाप्त हो गया। इंडिया ए ने सीरीज के दूसरे मैच को पारी और 16 रनों से जीता था जबकि पहला मैच ड्रॉ रहा।

शंभु का दमदार टीजर हुआ रिलीज,महादेव बन तांडव करते नजर आएंगे अक्षय कुमार

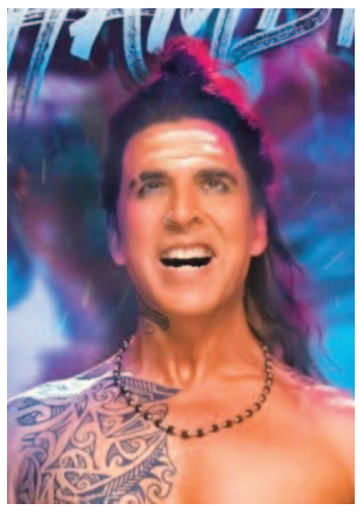

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार ने अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों में जगह बनाई है। एक्शन हो रोमांस हो,कॉमेडी हो या सोशल ड्रामा एक्टर ने अपने करियर में हर तरह की फिल्में की हैं। वहीं अब अक्षय कुमार अपनी सिंगिंग से फैंस को दीवाना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी कड़ी में एक्टर ने अपने गाने 'शंभू' का शानदार टीजर आज जारी कर दिया। अक्षय कुमार ने शंभू टाइटल से एक सॉन्ग को अपनी आवाज दी है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इसकी अनाउंसमेंट की। ये एक म्यूजिक वीडियो है जो 5 फरवरी को रिलीज होगा। इसका निर्देशन गणेश आचार्य ने किया है। अक्षय ने गाने का एक टीज़र शेयर किया है जिसमें वह गाने की धुन पर थिरकते नज़र आ रहे हैं।गाने में उनका लुक फिल्म ओएमजी 2 (2023) के लुक जैसा है,जहां उन्होंने भगवान शिव के दूत की भूमिका निभाई थी। शंभू को विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने कंपोज किया है और इसके लिरिक्स अभिनव शेखर के हैं। अक्षय ने इसे सुधीर यदुवंशी और विक्रम मॉन्ट्रोज़ के साथ मिलकर गाया है।
वैसे ये पहला मौका नहीं है जब अक्षय कुमार ने अपनी आवाज में गाना गाया है।

कृति सेनन ने गुलाबी साड़ी में बिखेरा जलवा, एक्ट्रेस की खूबसूरती देख यूजर्स हुए कायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी खूबसूरती और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ अपने स्टाइलिश फोटोज शेयर कर उन्हें दीवाना बनाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह गुलाबी साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में कृति सेनन ने गुलाबी रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जो उनके ऊपर काफी जंच रही है। उन्होंने लाइट मेकअप किया हुआ है,जो उनके चेहरे पर एक अलग ही निखार ला रहा है. उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ है,जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है. एक्ट्रेस की खूबसूरती देख यूजर्स लट्टू हो गए हैं और प्यार की बारिश कर रहे हैं।
शाहिद कपूर और कृति सैनन इन दिनों फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर सुर्खियों में हैं। पहली बार पर्दे पर यह जोड़ी देखने को मिलेगी, जिसे लेकर दर्शक बेहद उत्साहित हैं।शाहिद और कृति इन दिनों अपनी इसी फिल्म के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं और कई दिलचस्प खुलासे कर रहे हैं।हाल ही में दोनों ने फिल्म और एक-दूसरे के साथ काम करने के अनुभव पर बात की।
कृति ने कहा, पहले मुझे यह सामान्य प्रेम कहानी वाली फिल्म लगी थी। मुझे तो बाद में पता चला कि इसमें मेरा किरदार रोबोटिक होने वाला है। आज हम एआई के युग में जी रहे हैं। आने वाले समय में हो सकता है कि रोबोट हमारे आस-पास घूमें और हमें पता ही न चले। फिल्म की कहानी अनोखी लगी, इसलिए मैंने हामी भर दी।कृति ने इंटरव्यू में शाहिद की भी जमकर तारीफ की।
अभिनेत्री बोलीं, शाहिद मेरे सीनियर हैं। हालांकि,उन्होंने मुझे कभी यह महसूस नहीं कराया। वह हमेशा बिंदास रहते थे। सेट पर काफी अच्छा माहौल बनाकर रखते थे। शाहिद को मैं उनकी पहली फिल्म से ही देख रही हूं।उन्होंने कहा, शाहिद के इंटरव्यू देखती हूं तो सोचती हूं कि ये आदमी कितना बुद्धिमान है। हम दोनों दिल्ली के हैं, इसलिए एक जुड़ाव भी है। मुझे शाहिद की इश्क विश्क, कमीने, हैदर और जब वी मेट जैसी फिल्में बहुत पसंद हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया रोमांटिक ड्रामा फिल्म 9 फरवरी को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है।

इंडियन पुलिस फोर्स ने बनाया ये अनोखा रिकॉर्ड, बनी सबसे ज्यादा देखी गई भारतीय सीरीज

भारतीय सिनेमा के शानदार निर्देशकों में से एक रोहित शेट्टी ने अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की रिलीज के साथ इस साल की धमाकेदार शुरुआत की है।सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत सीरीज के जरिए रोहित ने अपने कॉप यूनिवर्स को और बड़ा बनाया है, जिसको दर्शकों ने खुले दिल से प्यार दिया।प्रशंसकों के प्यार का ही नतीजा है कि यह किसी भी भारतीय सीरीज का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला पहला सीजन बन गया है।इंडियन पुलिस फोर्स के हाथ एक बहुत बड़ी उपलब्धि लगी है। रोहित निर्देशित सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुए किसी भी भारतीय शो का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला पहला सीजन बन गया है।दिलचस्प बात यह है कि यह शो की रिलीज के महज 1 हफ्ते बाद ही हो गया है। यह दुनियाभर के 65 देशों में टॉप 10 लिस्ट पर भी ट्रेंड कर रही है।इंडिय पुलिस फोर्स दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीत रही है।

विधानसभा का बजट सत्र आज से

अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा-बजट से तय होगी राज्य के विकास की दिशा

सदन में 20 बैठक है प्रस्तावित

डॉ रमन सिंह ने बताया कि विधानसभा के इस सत्र में 20 बैठकें प्रस्तावित हैं,राज्यपाल के अभिभाषण से सत्र शुरू होगा,शासकीय विधि की 2 हजार 262 सूचनाएं प्राप्त हुई,वहीं ध्यानाकर्षण के लिए 10 सूचना प्राप्त हुई।

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का 5 फरवरी से बजट सत्र शुरू होगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस सत्र को अहम करार देते हुए कहा कि सरकार के बजट से राज्य के विकास की दिशा तय होगी।

बजट सत्र शुरू होने से एक दिन पहले डॉ. रमन सिंह ने मीडिया से चर्चा में कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री ने डिजिटल बजट पेश किया था। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा भी नई तकनीक से जुड़कर काम करेगा। छत्तीसगढ़ विधानसभा को पेपरलेस बनाया जाएगा। इससे सदन का कामकाज सरल होगा। उन्होंने इसके साथ कहा कि छत्तीसगढ़ 2025 में अपनी यात्रा के 25 वर्ष पूरा करने जा रहा है. हमारा प्रयास होगा कि हम नए विधानसभा में प्रवेश कर जाएं।

विधानसभा अध्यक्ष ने बजट सत्र की जानकारी देते हुए बताया कि सत्र की शुरुआत 5 फरवरी को पूर्वान्ह 11.05 बजे राज्यपाल के अभिभाषण से होगी. राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर सभा में 7 और 8 फरवरी को चर्चा होगी. 9 फरवरी को अपरान्हः 12.30 बजे वित्तमंत्री ओपी चौधरी वर्ष 2024-2025 के आय व्ययक का उपस्थापन करेंगे।

12 और 13 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक पर सामान्य चर्चा होगी। 14 से 26 फरवरी तक सभा में विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। आय-व्ययक की मांगो से संबंधित विनियोग विधेयक पर चर्चा एवं पारण के लिए 27 फरवरी की तिथि निर्धारित की गई है।सत्र के दौरान छत्तीसगढ़ सिविल न्यायालय (संशोधन) विधेयक,छत्तीसगढ़ राजीम माघी पुन्नी मेला (संशोधन) विधेयक और छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे. सत्र के लिए 4 फरवरी तक विधायकों से 2335 प्रश्न प्राप्त हुए हैं, जिनमें से तारांकित प्रश्नों की संख्या 1162 और अतारांकित प्रश्नों की संख्या 1173 है।इसके साथ विधायकों से कुल ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 10 सूचनाएं, नियम 139 के अधीन अवलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए एक सूचना,अशासकीय संकल्प की पांच सूचनायें प्राप्त हुई हैं। बजट सत्र के लिए अभी तक शून्यकाल की 06 सूचनायें एवं याचिका की 10 सूचनायें भी प्राप्त हुई है।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के ठिकानों पर आईटी के छापे की कार्रवाई पूरी

दस्तावेज,सीडी और पैन ड्राइव में सबूत ले गयी टीम

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में चल रही आईटी की कार्रवाई के मद्देनजर एक बड़ी खबर है। पांच दिनों से चल रही इनकम टैक्स विभाग की रेड आज खत्म हो गयी। अमरजीत भगत के बंगले से आईटी की टीम निकल गयी है। खबर है कि इनकम टैक्स विभाग की टीम दस्तावेज व कुछ पैनड्राइव साथ लेकर गयी है।

चर्चा है कि करोड़ों की बेनामी संपत्ति का पता आईटी की

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के ठिकानों पर पिछले 5 दिनों से छापेमारी की कार्रवाई चल रही थी। टीम ने भगत के करीबी एक कारोबारी राजू अग्रवाल के घर को सील कर दिया है। छापे के बाद से ही राजू अग्रवाल गायब हैं। टीम 2 दिन तक इंतजार करती रही। वहीं कांग्रेस नेता नेता अटल यादव के मैनपाट स्थित घर और भगत के पीए राजेश वर्मा के राजपुर, एसआई नारंग के निवास स्थानों से टीमें लौट गई हैं। इन जगहों पर भी कार्रवाई पूरी होना बताया जा रहा है। जिन लोगों को टीम ने पूछताछ के लिए पकड़ा था, उन्हें भी छोड़ दिया गया है। आपको बता दें कि 17 जनवरी को ईडी ने एसीबी में चावल, कोयला और शराब घोटाले में एफ आई आर दर्ज कराई थी। भगत का नाम कोल घोटाले के आरोपियों में शामिल था। इस घोटाले के सूत्रधार सूर्यकांत तिवारी की डायरी में भगत का नाम है। 2023 के चुनाव की घोषणापत्र में अमरजीत भगत ने परिवार की संपत्ति घोषित की थी। बताया जा रहा है इससे कहीं अधिक संपत्ति जांच में पाई गई है।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से छत्तीसगढ़ लौटेंगे अमरेश मिश्रा

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी किया निर्देश

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। सेंट्रल डेपुटेशन पर एनआइए में डीआइजी की जिम्मादारी निभा रहे अमरेश मिश्रा छत्तीसगढ़ लौट रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार छुट्टी होने के बाद भी अमरेश को मूल कैडर भेजने का आदेश जारी किया है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ वापसी के बाद उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

किसानों के खाते में जल्द डाले जाएंगे 16वीं किश्त

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। पीएम किसान योजना केंद्र सरकार की सबसे महत्वकांक्षी योजना में से एक है। इस योजना के तहत किसानों को इनकम होती है। इसके तहत किसान हर चार महीने में 3 कस्तें 2-2 हजार रुपये सालाना 6 हजार रुपये प्राप्त करते हैं। ये लाभ भी सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलता है जिनकी 2 हेक्टेयर जमीन है। अभी तक किसानों के लिए 15 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। अब 16वीं किस्त आनी बाकी है।

कांग्रेस शासनकाल में हुए निर्माण कार्यों की होगी जांच

- कई निकायों में भ्रष्टाचार की आशंका,
- आयुक्तों को आदेश जारी,खुलेंगे कई राज

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। कांग्रेस शासनकाल में हुए निर्माण कार्यों की नगरीय प्रशासन विभाग जांच करेगा। विभाग ने साफ किया है कि पांच वर्ष पहले नगरीय प्रशासन विभाग के तहत नगर-निगमों, नगर पालिकाओं में ऐसे कार्यों की जांच होनी चाहिए, जो जिसकी एक बार स्वीकृति लेकर बार-बार कार्य कराएं गए हैं। ऐसे समस्त कार्यों की जांच होनी चाहिए।

राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के बाद नगरीय प्रशासन विभाग में निकायों से 12 बिंदुओं पर जानकारी मंगाई है। इससे पहले हाल ही में उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेशभर के निगम आयुक्तों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से नगरीय निकायों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की थी

कई निकायों में भ्रष्टाचार की आशंका

समीक्षा बैठक में आला अधिकारियों से चर्चा के बाद यह निष्कर्ष निकला कि कई निकायों में बीते पांच वर्षों में विभिन्न कार्यों में भ्रष्टाचार व गड़बड़ियां हो सकती है। यह जांच के बाद पता चलेगा। शहरी क्षेत्रों में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के साथ अन्य योजनाओं पर अधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

एनजीटी के आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा

समीक्षा बैठक में यह साफ कर दिया गया है कि एनजीटी के आदेशों का कड़ाई से पालन करना होगा। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर एनजीटी के सभी प्रकार के आदेशों का परिपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करेगी शासन

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, गौ, गंगा और गायत्री के संरक्षण के लिए हम दृढ़ प्रतिबद्ध हैं। गौ तस्करी को रोकने के लिए हम कड़े कानून लाएंगे, ताकि गौ तस्करों में भय का वातावरण उत्पन्न हो। जेहादियों, धार्मिक उन्मादियों और असामाजिक तत्वों के कुत्सित कर्मों को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को मुस्तैद किया गया है। वो कोई भी कार्य जो छत्तीसगढ़ के शांत वातावरण को प्रभावित करे, उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अवैध धर्मांतरण एक बड़ी समस्या है। इससे सामाजिक सद्भाव में असंतुलन आने की बातें सामने आती रहती हैं। धर्म-मज़हब-पंथ प्रचार की आड़ में अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाले लोगों पर शासन कड़ी कार्रवाई करेगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री रहने के दौरान दिल्ली स्थित निवास स्थान में स्वास्थ्यगत समस्याओं से आने वाले गरीब, बीमार जरूरतमंदों के स्वास्थ्य चिकित्सा की समुचित व्यवस्था करना मेरा कर्तव्य था। आज प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि एवं संवेदनशीलता से गरीब लोगों के स्वास्थ्य के लिए ÷आयुष्मान भारत योजना÷ के द्वारा 5 लाख तक उनका मुफ़्त इलाज किया जाता है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार जनता के उत्तम स्वास्थ्य के लिए कृत संकल्पित है।

तीन महीने से ठप्प पड़ा है भू-नक्शा का काम

- अधिकारी भी है परेशान
- नक्शा,खसरा,बटांकन के कई मामले पेंडिंग

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। राजस्व विभाग में नक्शा खसरा सहित अन्य कार्यों के लिए बनाए गए सॉफ्टवेयर पिछले तीन महीनों से ठप पड़ा है। इसकी वजह से भू- नक्शा का काम अधर में लटका हुआ है। बताया जा रहा है पिछले तीन महीने से सॉफ्टवेयर ठप होने की वजह से विभाग में बटांकन,नमांमंतरण के हजारों मामले लंबित है। जिसकी वजह से आम जनता सहित अधिकारी भी परेशान हो रहे हैं । सॉफ्टवेयर में सुधार नहीं होने की वजह से अधिकारी भी नागरिकों को जवाब देने से बच रहें है। जानकरी के अनुसार एप को बनाने के बाद सॉफ्टवेयर में और भी समस्या आने लगी है। पटवारियों ने बताया कि सॉफ्टवेयर पहले से और ज्यादा खराब हो चुका है। उसकी गति धीमी हो गयी है कभी खुलता है कभी नहीं खुलता है। जिसकी वजह से कार्य करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी वजह से राजस्व से जुड़ा मामला पेंडिंग होता जा रहा है।

मंत्री से शिकायत, फिर भी कोई सुधर नहीं

पिछले तीन महीनों से सॉफ्टवेयर में खराबी के चलते बटांकन ,नामांतरण के आलावा नक्शा भी निकालने में समस्या आ रही है। इस समस्या को लेकर राजस्व मंत्री टांकराम वर्मा से पटवारी संघ के द्वारा शिकायत भी की गई है। मंत्री से शिकायत के बाद भी अब तक इस मामले का केवल आश्वासन के आलावा और कोई प्रगति नजर नहीं आ रही है। जबकि मंत्री टांकराम वर्मा ने अधिकारीयों को सॉफ्टवेयर में जल्द सुधर करने के निर्देश भी दिए थे।

आचार सहिंता से पहले तय हो जाएंगे प्रत्याशियों के नाम

स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के लिए दिल्ली रवाना हुए पीसीसी चीफ बैज

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। पीसीसी चीफ दीपक बैज दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इससे पहले पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि दिल्ली में 1 बजे स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट,पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के तमाम नेता इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आचार संहिता से पहले प्रत्याशियों के नाम तय हो जाएं इसकी हम कोशिश कर रहे हैं क्योंकि लोकसभा क्षेत्र बहुत बड़ा होता है। ऐसे में उन्हें प्रचार प्रसार के लिए समय मिल जाय। महतारी वंदन योजना को लेकर पीसीसी चीफ ने कहा कि लाखों महिलाओं को

लाभ नहीं मिलेगा. भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की महिलाओं को केवल लालच देने का काम कर रही है। इस योजना में संविदा कर्मचारियों के परिवार तक को लाभ नहीं मिल रहा है। वह संविदा कर्मचारी जो अपने हक के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं उन्हें भी इसका लाभ नहीं मिल रहा है। जितना लाभ मिलना चाहिए इस प्रदेश की माता बहनों को वह लाभ नहीं मिलेगा। महतारी वंदन योजना के नाम से भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ की माता को बहनों को छलने और ठगने का काम किया है. सत्ता में आने के बाद पिछले 15 सालों में जिस तरह से छत्तीसगढ़ की जनता को ठगने का काम किया गया है, ठीक उसी तरह एक बार फिर छत्तीसगढ़ की जनता को ठगने का काम होगा।

क्राइटेरिया सेट करके महिलाओं को लाभ से वंचित कर दियाःबैज

बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जिस प्रकार से कहा था कि हम सभी महिलाओं को ₹12,000 देंगे तो उन्हें इसके लिए पूरा पैसा देना चाहिए ना कि किसी प्रकार से क्राइटेरिया इसके लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। सीमाएं तय करके छत्तीसगढ़ की आधी आबादी की महिलाओं को उन्होंने लाभ से वंचित कर दिया। महिलाओं के हक की लड़ाई के लिए कांग्रेस विचार कर रही है। कांग्रेस छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों के साथ खड़ी है. इसके लिए आने वाले समय में आवाज उठाई जाएगी।

सेंट्रल एजेंसियां डराने का काम कर रहीः बैज

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के घर आईटी रेड का पांचवा दिन है इसे लेकर बैज ने कहा कि बीजेपी बदले की भावना से काम कर रही है। ईडी सीबीआई आईटी के माध्यम से सरकार को बदनाम करने का प्रयास किया विधानसभा चुनाव में. लोकसभा नजदीक है तो ऐसे में सेंट्रल की एजेंसी और राज्य की सरकार डराने का काम कर रही है। इससे समझ लीजिए भारतीय जनता पार्टी किस तरह से डरी हुई है।

सुकमा के भेज्जी में सुरक्षा बलों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़

एक नक्सली ढेर, सर्चिंग में शव बरामद

सुकमा,04 फरवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है। इसी क्रम में सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षा बल के जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर कर दिया। मुठभेड़ के बाद जवानों ने सर्चिंग में एक नक्सली का शव बरामद किया है। एसपी किरण चव्हाण ने पुष्टि की है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण के मुताबिक डीआरजी और सीआरपीएफ 219 बटालियन के जवान सर्चिंग पर निकले थे। इसी दौरान भेज्जी के भंडारपदर इलाके में जवानों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। जवानों इलाके की सर्चिंग के दौरान मारे गए नक्सली का शव बरामद किया है।

छत्तीसगढ़ वन सेवा भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप

हाईकोर्ट में 8 अभ्यर्थियों ने लगाई याचिका

बिलासपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ वन सेवा भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में 8 अभ्यर्थियों ने याचिका लगाई है, जिसमें कहा गया है कि फिजिक ल टेस्ट में फेल हो चुके लोगों को दोबारा मौका देकर वेटिंग लिस्ट के उम्मीदवारों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है. यह नियमों और प्रावधानों के खिलाफ है. मामले में जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल ने शासन से जवाब मांगा है और वन सेवा भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है.

दायर याचिका के मुताबिक, कांग्रेस सरकार ने साल 2020 में वन विभाग में भर्ती के लिए वैकेंसी निकाली थी, जिसे लेकर सीजीपीएससी द्वारा साल 2021 में वन सेवा भर्ती की परीक्षा आयोजित की गई. इसके बाद 3 जून 2023 को इस परीक्षा का रिजल्ट सीजीपीएससी द्वारा जारी कर मुख्य व अनुपूरक सूची जारी की गई. इसके बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षण रायपुर कार्यालय में चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज परीक्षण के बाद 12 सितंबर 2023 को शारीरिक मापदंड परीक्षण लिया गया. इसके बाद से गड़बड़ी की गई, जिसे लेकर बस्तर के योगेश बघेल, मधुसूदन मौर्या, घनश्याम और 6 अन्य लोगों ने याचिका लगाई है.

आरक्षक द्वारा किया गया बचाव कार्य भी काम नहीं आया

फिर भी नहीं बच पाई जान गरियाबंद मुठभेड़ में घायल हुई थी नक्सली

रायपुर,04 फरवरी 2024 (ए)। गरियाबंद मुठभेड़ में घायल हुई महिला नक्सली की इलाज के दौरान मौत हो गई है। महिला नक्सली की जान बचाने के लिए प्रधान आरक्षक प्रदीप सिन्हा ने ब्लड डोनेट भी किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

डीकेएस अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ राजीव साहू ने बताया कि पेशेंट को क्रिटिकल कंडीशन में रायपुर लाया गया था। डॉ ने बताया कि जब से भी आई थी मरीज की खराब थी । महिला का वेंटीलेटर में लगातार उनका उपचार चल रहा था। शनिवार कोशिश करने के बाद भी उसे नहीं बचाया जा सका। आज रविवार को शव को परिजनों के सौंपा गया है।

सीकासार इलाके में सर्चिंग के दौरान जिला पुलिस बल के ई सुपर 30 टीम के साथ सी आर पी एफ की टुकड़ी भी शामिल थी । सर्चिंग में मुठभेड़ में महिला नक्सली घायल हुई थी। महिला के गर्दन आर पार कर गई गोली निकली थी, जिससे काफी खून बहा था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)